





संक्षिप्त समाचार

खाद की किल्लत को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन



**होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा ।** प्रदेश में किसान खरीफफसल की बुआई, किसानी कार्य की तैयारी प्रारंभ कर रहे हैं। ऐसे समय में राज्य सरकार द्वारा किसानों को खाद बीज की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित किया जाना था, किन्तु सहकारी समितियों में किसानों को डी ए पी खाद, बीज की कमी का सामना करना पड़ रहा है। डी ए पी खाद एवं बीज की अनुपलब्धता को लेकर किसानों को होने वाली समस्या को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में अहिवारा नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सेवा सहकारी समिति मर्यादित अहिवारा में प्रदर्शन कर डी ए पी खाद बीज की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम का जापन सौंपा गया । इस प्रदर्शन में कैलाश नाहटा जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, झुमुक साहू संयुक्त महामंत्री, ओनी महिलांग कांग्रेस नेता ,उषा सोनवानी जिला पंचायत सदस्य, नामार्णण साहू, भुवन साहू, मनीष बंजारे ,उमेश बंजारे पूर्व अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति अहिवारा, महमद ,लक्ष्मनना , त्रिलोक बंजारे ,शिव साहू, पुरुषोत्तम पटेल, केशव महिलांग ,मंजूषा यादव ,राजू यादव ,सोमनाथ, आशीष ,वेद प्रकाश के साथ नगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

37 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी दुर्ग का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सेजेस टेलका के 26 कैडेट्स ने भाग लिया



**साजा ( समय दर्शन ) ।** 37 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी दुर्ग का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 135 का आयोजन 20जून से 29 जून जवाहर नवोदय विद्यालय बोर्ड दुर्ग में किया गया जिसमे सेजेस टेलका के 26 कैडेट्स एवं थर्ड ऑफिसर धर्मपाल वर्मा एनसीसी अधिकारी ने भाग लिया।10 दिवसीय शिविर में कैडेट्स को मैप रीडिंग,कम्पास,सेल्फ डिफेंस,योगा,स्पोर्ट्स,फायरिंग की बारीकियों के अलावा विभिन्न प्रतियोगता का आयोजन किया किया गया। जिसमे बालीवाल,खोखों,रस्साकसी, एंकरिंग,सोलो साँग,रूप साँग, डाँडिंग एवं पेंटिंग, कैलीग्राफी, वादविवाद, तात्कालिक भाषण जैसे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे सभी कैडेट्स ने बटुचदकर हिस्सा लिया विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। शिविर के दौरान म.प्र./छ.ग डायरेक्टरेड के एडीजी मेजर जनरल विक्रांत एम धूमने एवं रायपुर रूप कमांडर ब्रिगेडियर डी के पात्रा के कैम्प विजिट के दौरान उन्होंने कैम्प एरिया का निरीक्षण किया।उन्होंने कैडेट्स से कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन नेतृत्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है,शिविर में 37 बटालियन के अंतर्गत आने वाले 19 स्कूल और कालिजों के कैडेट्स ने भाग लिया । शिविर का संचालन कैम्प कमांडेंट कर्नल प्रेमजीत एवं सुबेदार मेजर थानेश्वर दुर्ग के मार्गदर्शन में हुआ दौरान बटालियन के सभी पीआईड स्टाफऔर सभी एएनओ उपस्थित रहे।समापन के अवसर पर सभी कैडेट्स को एक एक पेंड वितरण किया गया । संस्था के प्राचार्य टी एल साहू ने कहा कि इस प्रकार के शिविर से कैडेट्स में आत्मनिर्भर,साहसिक भावना एवं अच्छे चरित्र का निर्माण होता है,प्राचार्य सहित संस्था के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने शिविर में भाग लेने वाले सभी कैडेट्स के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी ।

**बालोद ( समय दर्शन ) ।** गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद अपनी धर्म पत्नी श्रीमती दंतेश्वरी निषाद के साथ जय मोंहदीपाट बाबा में अपनी मनोकामना अनुसार सोमवार को ग्राम मोंहदीपाट स्थित मोंहदीपाट बाबा में षोड़ा चढ़ा कर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना किये ।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए जनपद अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे

सावित्रीपुर स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

**बसना ( समय दर्शन ) ।** महासमुंद जिले के ग्राम सावित्रीपुर स्थित शास उच्च माध्य शाला, पूर्व माध्यमिक शाला एवं शास प्राथ शाला सावित्रीपुर में संयुक्त रूप से नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ शाला प्रवेश उत्सवके माध्यम से उत्साहपूर्वक किया गया । इस विशेष अवसर पर जनपद पंचायत पिथौरा के अध्यक्ष श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। श्रीमती धृतलहरे ने स्कूल पहुंचते ही नन्हे विद्यार्थियों का तिलक लगाकर,मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। बच्चों को स्कूल इस, पाठ्यपुस्तकें और अन्य शैक्षणिक सामग्री भी भेंट की। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के चेहरों पर उत्साह और नई शुरुआत

की उमंग स्पष्ट झलक रही थी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल ने स्कूली बच्चों से शाला प्रवेश उत्सव में संवाद करते हुए कहा कि केवल डिग्री के लिए पढ़ाई करना पर्याप्त नहीं है,बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और जीवन उपयोगी स्किल ही असली सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि जो छात्र लगातार सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं वही जीवन में आगे बढ़ते हैं। विशिष्ट अतिथि सावित्रीपुर जनपद सदस्य पुरुषोत्तम धृतलहरे ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वअनुशासन का परिचय देते हुए कड़ी मेहनत और परिश्रम करें ,यही सफलता का सूत्र है। इसलिए सभी बच्चे पूरी लगन के साथ मेहनत करते हुए सफलता को प्राप्त करके उच्च पदों पर आसीन हों। जनपद सदस्य अजय अग्रवाल ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एक शिक्षित समाज ही



एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वह अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और उनकी पढ़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने सरकार द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी बताई।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य श्रीमती भारती संदीप अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शाला प्रवेश उत्साह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह बच्चों के जीवन में शिक्षा की नींव रखने का प्रथम दिन होता है,उन्होंने बताया कि सरकार की सर्व

शिक्षा अभियान,निःशुल्क पाठक सामग्री ,मिड डे मील योजना आदि योजनाएं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सहायक हैं, उन्होंने विद्यालय के प्रबंधन और शिक्षकों की प्रतिबद्धता की सहारना की इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सरोज गणेश पटेल ने कहा कि बच्चे कल के भविष्य होंगे।निश्चित तौर पर शिक्षा से ही हमारा भविष्य तय होता है,हमें क्या सीखना है क्या बनना है।यह हमें विद्यालय की पढ़ाई,विद्यालय के शिक्षक और विद्यालय के माहौल से ही प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आप हमेशा संघर्षरत रहिए तभी

ग्राम सिरको मे सरपंच फगूलाल नेताम के नेतृत्व में स्वच्छता पर पहल



**बसना ( समय दर्शन ) ।** ग्राम पंचायत सिरको के सरपंच फगूलाल नेताम के नेतृत्व में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने ग्राम विकास एवं बरसाती मौसम मे स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं । ग्राम पंचायत सिरको इन दिनों स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में मिसाल बनता जा रहा है। गांव के नवनिर्वाचित सरपंच फगूलाल नेताम के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों ने मिलकर स्वच्छता को लेकर व्यापक जागरूकता फैलाई है। सरपंच फगूलाल नेताम खुद ट्रैक्टर चलाकर गांव के गली-मोहल्लों में खरपतवार नाशक का छिड़काव करते नजर आए। उनके साथ मिशन क्लीन के अध्यक्ष विश्वनाथ नेताम, सेना से अवकाश पर आए जवान विकास गार्डिया और वार्ड क्रमांक 1 के पंच उषेंद्र साव ने मिलकर लगभग 4 किलोमीटर क्षेत्र को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने का बीड़ा उठाया।

**रचनात्मक कार्य शैली से गाँव को विकसित करने का सपना-** गौरतलब है कि पिछली पंचायती कार्यकाल में जो कार्य अधूरे रह गए थे, उन्हें सरपंच फगूलाल नेताम प्राथमिकता से पूरा करने में लगे हैं। पंचायत भवन में नियमित उपस्थिति, नालियों की सफाई, जल संकट को देखते हुए टैंकर की व्यवस्था, खानागार की सुविधा, बिजली हेतु मिनी स्ट्रीट लाइट्स जैसी व्यवस्थाएं पंचायत स्तर पर की जा रही हैं।

**छत्तीसगढ़ की संस्कृति पर फोकस-** गांव के रंगमंच को छत्तीसगढ़ी कला और बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर, विशेषकर बस्तर टाइगर 'चेदरू' की

झलक के साथ सजाया गया है। गांव के सौंदर्यकरण हेतु स्मार्ट लुक तैयार कर वीडियो ग्राफी की गई है, जिससे सिरको को 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकसित करने की तैयारी है।

**आम जनता के सरोकार से जुड़े मुद्दे पर कार्य-** सरपंच के निर्देश पर वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, भूमिहीन परिवार, पीएम आवास योजना जैसे योजनाओं के लिए घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का कार्य शुरू हो चुका है। पंचायत की यह कोशिश है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजना से वंचित न रहे।

**व्यसन मुक्त ग्राम की परिकल्पना की दिशा में ठोस कदम-** अवैध शराब, गांजा और नशीले पदार्थों की बिक्री व सेवन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। गांव में झगड़ा-फसाद, अवैध निर्माण, और डबल केजबिल पर भी रोक लगाई गई है। साथ ही विवादों के निपटारे में बुजुर्गों की सलाह और सामूहिक पंचायत निर्णय को महत्व दिया जा रहा है।

**सरपंच की दूरदर्शी सोच को मिल रही सराहना और साथ-** ग्रामवासियों ने सरपंच की कार्यशैली और जिम्मेदारी भरे दृष्टिकोण की सराहना की है। युवा वर्ग को जिम्मेदारी देकर विकास के हर क्षेत्र में भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इससे गांव में सामाजिक सद्भाव, पारदर्शिता और जन सहभागिता का नया वातावरण बना है। सिरको पंचायत का यह प्रयास न केवल अन्य ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणाक्षोत है, बल्कि यह दर्शाता है कि यदि जनप्रतिनिधि स्वयं जागरूक और सक्रिय हों, ईच्छा शक्ति हो तो गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना आम बात है।

सैकड़ों किसान तुमगांव में मशाल रैली लेके निकले,किसान मोर्चा के आंदोलनकारी

**महासमुन्द ( समय दर्शन ) ।** निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शाम 6.00 बजे से अवैध करणी कृपा पावर प्राइवेट लिमिटेड ने मिनी स्टील प्लांट,स्पंज आयरन प्लांट,पावर प्लांट,फेरी एलायंस,सढ़े गले टायरों से आइल बनाने अपने अवैध उद्योग को अवैध निर्माण प्रारंभ किया है जिसके विरोध में,विश्व धरोहर सिरपुर बचाने संकल्पित राज्य आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा सत्याग्रही किसानों का किसान क्रांति मशाल रैली आज तुमगांव पहुंचे। जिसके मुख्य अतिथि राज्य आंदोलनकारी किसान मोर्चा के प्रदेश किसान अनिल दुबे,प्रदेश किसान नेता वेंगेद सोनवर,छन्नूलाल साहू, रघुनंदन साहू,पार्वती साहू उपस्थित थे।

राज्य आंदोलनकारी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल दुबे,वेगेद सोनवर छन्नूलाल साहू,चयन कुमार कौशिक, बलराम कांत साहू,पार्वती साहू आदि ने संबोधित किया। राज्य आंदोलनकारी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल दुबे ने मशाल थथ में देके शुभारंभ किया। मशाल लेके निकले युवा,किसान,महिला किसान श्रीराम जानकी मंदिर परिसर से दुकान चौक,बंगलापारा, नीम चौरा चौक,बजरंग चौक,बाजारचौक, बाजारपारा,बस्तीपारा,सतनामी पारा, साहू पारा, यादव पारा होते हुए श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में समापन हुआ। मशाल जुलूस शुभारंभ के पहले उपस्थित सभी ने देश के शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि दिया । मशाल जुलूस का मुख्य मुद्दा



(1) अवैध पावर प्राइवेट लिमिटेड ने मिनी स्टील प्लांट,स्पंज आयरन प्लांट,पावर प्लांट,फेरी एलायंस,सढ़े गले टायरों से आइल बनाने अपने अवैध उद्योग को अवैध निर्माण प्रारंभ किया है। अपराधिक गतिविधि को बंद कराने। (2)मान. उच्च न्यायालय के आदेश में किसानों की हुई है जीत जिसे परिपालन कराने। (3) अवैध

करणी कृपा प्लांट के औद्योगिक प्रदूषण से क्षेत्र के खेती,बाड़ी,घर,मकान,दुकान,स्कूल, अस्पताल,मानव जीवन,पशु जीवन प्रभावित हो रहे हैं। प्रभावित पर राज्य सरकार कार्यवाही कर उद्योग का संचालन बंद कराएं। (4) डीएपी खाद किसानों को प्रदेश स्तर पर उपलब्ध कराए सरकार, व्यापारियों द्वारा अधिक

आपको सफलता मिल सकती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि स्वर्णिल तिवारी ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारवान बनना भी जरूरी है। तभी जीवन का चरितार्थ सिद्ध होगा। उनके इन शब्दों ने बच्चों और शिक्षकों को प्रेरित किया,जिससे उन्हें अपने जीवन में शिक्षा और संस्कार के महत्व को समझने में मदद मिलेगी।इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि अबू पटेल ने कहा कि यूं तो हमें जनप्रतिनिधि के तौर पर अनेक भूमि पूजन लोकार्पण करने होते हैं,पर शाला प्रवेश उत्सव ऐसा कार्यक्रम है जहां हम आने वाले स्वर्णिम भारत के पौधों को रोपित और संरक्षित कर रहे हैं।इन बच्चों में से ही कुछ आने वाले समय में डॉ कटर ,इंजीनियर ,कलेक्टर ,बिजनेसमैन और खिलाड़ी बनकर हमारे गांव,परिवार और राष्ट्र का नाम

गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर सावित्रीपुर उपसरपंच माधव रात्रे ने कहा कि बेटियों को शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान देने और अधिक से अधिक पढ़ने के लिए प्रेरित किया।शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य पी सितार सर के मार्गदर्शन, मिडिल स्कूल हेडमास्टर एसएल पटेल,प्राइमरी स्कूल हेडमास्टर महेंद्र तांडी एवं संकुल समन्वयक सावित्रीपुर पीएल चौधरी के नेतृत्व एवं एसएमडीसी और ग्रामपंचायत सावित्रीपुर के सहयोग से संपन्न हुआ।कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता बीडी साहू सर द्वारा और आधार प्रदर्शन धनुर्जय बंजारे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में नरेंद्र बोरे निज सचिव,गणेश पटेल, केतब बारीक,गोकुलानंद प्रधान,देवराज बीसी, सावित्रीपुर उपसरपंच माधव रात्रे, आजुराम अनंत,दिलीप प्रधान,लाला निराला,दीपक अनंत, धुनर्जय बंजारे, अंजीरा,कीर्तन,संजय मिरि,खीरसागर,राकेश पटेल और समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

निषाद समाज के वार्षिक सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल

सामाजिक विकास के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा

**महासमुंद ( समय दर्शन ) ।** जिलास्तरीय निषाद समाज के वार्षिक सम्मेलन में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने निषाद समाज के सामाजिक विकास के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा की। सम्मेलन में महासमुंद की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने भी समाज के उत्थान के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

इस कार्यक्रम में गुंडरदेही विधायक कुंवर निषाद,पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंदाकर, नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू,येतराम साहू, रवि निषाद, नेहरु निषाद,सहित समाज के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि निषाद समाज का इतिहास और योगदान अत्यंत गौरवशाली है, और सरकार समाज के हित में निरंतर कार्य करती रहेगी। अपने संबोधन में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने निषाद समाज के योगदान को महत्वपूर्ण बताया और समाज की एकता व

प्रगति के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में गुण्डरदेही विधायक श्री कुंवर निषाद भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

सीटीबी फउंडेशन का रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

**दुर्ग ( समय दर्शन ) ।**सीटीबी फउंडेशन, पार्षद जितेंद्र ताम्रकार (वार्ड क्रमांक 07) एवं श्री प्राचीन शिव गणेश मंदिर समिति, लुचकी पारा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को शिव मंदिर समीप विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।शिविर में डॉ. वंदना देवांगन (MBBS, MD) एवं डॉ. विशाल बख्शी (MDS) द्वारा चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। रक्तदान की व्यवस्था आशीर्वाद ब्लड बैंक द्वारा की गई। वार्ड वासीयो ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 87 यूनिट रक्तदान किया।साथ ही हजारों नागरिकों ने अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करवाई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी परामर्श लिया।इस जनहितकारी शिविर में प्रमुख रूप से आरिफ तिगाला अध्यक्ष, CTB फउंडेशन ,जितेंद्र ताम्रकार, पार्षद वार्ड क्रमांक 07, मो. तासरी पार्षद प्रतिनिधि, वार्ड क्रमांक 07,खालिद रिजवी पार्षद वार्ड क्रमांक 08,नरेश साहू(कालू भाई),बसंत ध्रुव,पूर्व पार्षद विनोद ताम्रकार, आशिफ अली, शाकिर पवार, मुन्नावर अली, गोपाल कसेर, अलताब,अब्बास भाई,हुसैन (काका), जहीर,अरशद,दिलशाद (दिलू ),भाई,राजुभाई राज इलेक्ट्रिकल,बाबू



खान,फरख खान, बिह्लू भाई, इमरान, अमजद भाई,सोहेल विगाला, बिह्लू, चिंदू, एजाज, बबलू, इरशाद, रोशन, इरफान एवं मंदिर समिति अध्यक्ष प्रकाश डडसेना, बंटी कसेर, राजा महोबिया, राज महोबिया, राजा यादव, महेंद्र साहू, पंसारी जी, तरुण साहू, रॉकी अवसरिया,बाबा,कान्हा, रुद्र साहू, सनी साहू, सूरज साहू,शीतल साहू, नरेंद्र ताम्रकार, डॉ. शेखर ताम्रकार,बबलू ताम्रकार ,रिंकू ताम्रकार ,कुंदन यादव, देव,सुजल, आयुष ठाकुर, आकाश रजक, महिला समिति लुचकी पारा एवं टीम आशीर्वाद

ब्लड बैंक, एवं स्थानीय वार्डवासी उपस्थित रहे।विशेष सहयोग सीटीबी फउंडेशन एवं श्री प्राचीन शिव गणेश मंदिर समिति लुचाकि पारा दुर्ग का रहा। विशेष रूप से, रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं हेलेमेट भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें समाजसेवा के लिए प्रेरित किया जा सके।इस अवसर पर आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, एवं वार्डवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक आयोजनों की निरंतरता की बात कही।



उपलब्धता के हिसाब से किसानों को मांग के अनुरूप मिले रासायनिक खाद

## समितियों में खाद का हो पर्याप्त भण्डारण: केदार कश्यप

रायपुर ( समय दर्शन )। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डीएपी खाद की कमी को देखते हुए प्रदेश में डीएपी खाद की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है तो डीएपी के वैकल्पिक खादों के प्रति किसानों को जागरूक करें और जो वैकल्पिक खाद उपलब्ध है किसानों को दिया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि किसानों को सहूलियतें प्रदान करना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है। मंत्री केदार कश्यप आज अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में सहकारिता और उर्वरक कंपनियों के अधिकारियों की बैठक में किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित बनाए रखने के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि रासायनिक खाद की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों व केन्द्र संचालकों के ऊपर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में 2058 सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण हो और किसानों की मांग के अनुरूप खाद मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नौ वेरिया, नैनी डीएपी के छिड़काव के प्रति भी किसानों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीएपी खाद की आपूर्ति के संबंध में कंपनी के प्रतिनिधियों से समन्वय कर खाद सप्लाई के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में डीएपी खाद सप्लाई की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025 के लिए किसानों के मांग के अनुरूप विभाग 10.73 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य के विरुद्ध



5.85 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण किया जा चुका है तथा किसानों को 4.37 लाख मीट्रिक टन खाद वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में समितियों में 1.18 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है। अधिकारियों ने बताया कि डीएपी का लक्ष्य 78 हजार 331 मीट्रिक टन है। इसके विरुद्ध अब तक 75 हजार 428 मीट्रिक टन डीएपी का भण्डारण किया जा चुका है। समितियों में 14 हजार 291 मीट्रिक टन डीएपी खाद शेष है। डीएपी खाद की कमी के कारण एनपीके का लक्ष्य बढ़कर 3 लाख 16 हजार मीट्रिक टन हो गया है। लक्ष्य के विरुद्ध 93 हजार 467 मीट्रिक टन एनपीके का भण्डारण किया जाकर किसानों को 74 हजार 545 मीट्रिक टन एनपीके खाद का वितरण किया जा चुका है। समितियों में 18 हजार 922 मीट्रिक टन एनपीके शेष है।

शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास होना चाहिए कि गांव का हर बच्चा स्कूल आए, शिक्षा पाए और आत्मनिर्भर बने। उन्होंने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय रुचि लें। आप अपने बच्चों से रोज पूछें कि आज स्कूल में क्या

विद्यालय एक ऐसा मंदिर है जहाँ से बच्चों का संपूर्ण विकास आरंभ होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। गणवेश, पाठ्यपुस्तक, मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति जैसी योजनाएँ इसी दिशा में मजबूत कड़ी हैं।

मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों के सोचने-समझने और व्यवहार में बदलाव लाने वाली होनी चाहिए। उन्होंने

सीखा? इससे बच्चे न केवल उत्साहित होंगे, बल्कि शिक्षक भी बेहतर शिक्षण के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि शांला प्रवेश उत्सव केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिक्षा के महत्व को समाज तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष खोर बाहरा साहू, अजय साहू, जिला शिक्षा अधिकारी सरपंच-पंचगण, शिक्षकगण, ग्रामीणजन और छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## युवा राष्ट्र की ऊर्जा हैं, जो सिर्फ सपना नहीं देखते, उसे साकार भी करते हैं : बृजमोहन



रायपुर ( समय दर्शन )। भारत के भविष्य को गढ़ने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, युवा वो होते हैं जिनके भीतर आग होती है कुछ कर दिखाने की, जो चुनौतियों से डरते नहीं, उनका सामना करते हैं। जो सिर्फ अपने लिए नहीं, देश के लिए भी सोचते हैं।

सांसद अग्रवाल रविवार को ‘यंग इंडियंस पार्लियामेंट 2025’ के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यह आयोजन यंग इंडियंस एवं कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) के तत्वावधान में भारत राइजिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से आए 100 से अधिक ऊर्जावान विद्यार्थियों ने संसद की कार्यप्रणाली को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में सांसद अग्रवाल ने कहा कि, युवा सिर्फ अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी भागीदार बनते हैं। उनके इरादे मजबूत, सोच सकारात्मक और उद्देश्य समाज सेवा होता है। उन्होंने आगे कहा कि, पार्लियामेंट केवल एक इमारत नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मंदिर है जहाँ सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका अहम होती है।

विपक्ष का दायित्व केवल विरोध नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझावों के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूती देना भी होता है।

इस आयोजन में रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में जनभागीदारी और जिम्मेदारी का बोध कराते हैं, जिससे आने वाले समय में सशक्त नेतृत्व तैयार होता है।

कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि रही कोपलवाणी स्पेशल स्कूल के मूकबधिर छात्रों\* की भागीदारी। उनके शिक्षकों द्वारा बाधाओं (Communication Barrier) पर विचार रखे गए, और एक समावेशी समाज की आवश्यकता पर सारगर्भित चर्चा हुई।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की तर्कशीलता, नियमबद्धता और नेतृत्व क्षमता ने मंचासीन अतिथियों को गहराई से प्रभावित किया। यह आयोजन युवाओं में लोकतंत्र, जनप्रतिनिधित्व एवं सामाजिक चेतना के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

### खाद्य मंत्री ने किया अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण

रायपुर ( समय दर्शन )। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल आज बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम बदनारा में आयोजित विकासखंड स्तरीय शांला प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने नव प्रवेशी विद्यार्थियों को शिक्षा की नई यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं और अपने प्रेरणादायक उद्बोधन से बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री बघेल ने बच्चों को पाठ्यपुस्तकें एवं गणवेश वितरित किए और मुँह मीठा कराकर उनका स्वागत किया। गुलाल और तिलक से बच्चों का पारंपरिक रूप से स्वागत कर शिक्षा की इस नई यात्रा की शुरुआत को उत्सव में बदला गया। उन्होंने विद्यालय में निर्मित एक अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण भी किया। बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

अपने संबोधन में मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है।



मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह बच्चों के सोचने-समझने और व्यवहार में बदलाव लाने वाली होनी चाहिए। उन्होंने

सीखा? इससे बच्चे न केवल उत्साहित होंगे, बल्कि शिक्षक भी बेहतर शिक्षण के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि शांला प्रवेश उत्सव केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिक्षा के महत्व को समाज तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष खोर बाहरा साहू, अजय साहू, जिला शिक्षा अधिकारी सरपंच-पंचगण, शिक्षकगण, ग्रामीणजन और छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

## सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में बच्चों ने सीखी शान्ति कलश पूजन विधि

रायपुर ( समय दर्शन )। आचार्य जिनमणि प्रभ सूरिधर की पावन प्रेरणा से सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सौ से ज्यादा बच्चों ने रविवार को शान्ति कलश की विधि सिखी। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस भौतिक युग में बच्चों के जीवन को धर्म के मार्ग पर मोड़ना जरूरी है इसी उद्देश्य से गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति संडे बच्चों को स्नात्र पूजा , चंदन पूजा व पूजा विधि के सुत्रों का अध्ययन कराया जाता है। इसी कड़ी में आज बच्चों को शान्ति कलश की विधि सिखाई गई। शान्ति कलश प्रत्येक दिन स्नात्र पूजा के अंत में किया जाता है। महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि शान्ति कलश में स्नात्र जल की अखण्ड धारा जीवन में अक्षय सुख समृद्धि , शान्ति बनाए रखती है। प्रत्येक पूजन , महापूजन विधान की पूर्णाहुति शान्ति कलश से होती है , जिसमें बड़ी शान्ति स्तोत्र का पाठ किया जाता है। भावे भवना भावीए , भावे दीजे दान , भावे जिनवर पूजिए , भावे केवल ज्ञान के



पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों ने सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा ने बताया कि आज सौ से ज्यादा बच्चों को तीर्थंकर परमात्मा के जन्मकल्याणक निमित्ते स्नात्र महोत्सव और शान्ति कलश विधान की जानकारी देकर स्नात्र महोत्सव पूर्ण कराया गया। जिनप्रतिमा के 9

अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई, जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार के लाभार्थी प्रमोद कुमार जी बच्छावत मुंबई है। ट्रस्टी ड्रा योगेश बंगानी ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवन्दन की प्रक्रिया सिखाई गई, बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया।

### जवाहर नगर मंडल ने सुनी पीएम मोदी की ‘मन की बात’

## पीएम मोदी ने दिया ‘खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करो, मोटापा घटाओ’ का नारा

रायपुर ( समय दर्शन )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 123वें संस्करण का भव्य आयोजन जवाहर नगर मंडल के अंतर्गत आने वाले इंदिरा गांधी वार्ड क्र.27 पार्षद कार्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें जवाहर नगर मंडल के पदाधिकारीगण,महिला मोर्चा की सदस्य, pdc मेम्बर,वार्ड पार्षद, पूर्व पार्षद के जिले का पदाधिकारी,कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ नागरिक गण भी उपस्थित थे। जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जधेल एवं मीडिया प्रभारी प्रणितौ जन ने बताया कि पीएम मोदी ने देशवासियों को संबोधन में नया नारा दिया उन्होंने कहा कि खाने में 10ल तेल कम करो, मोटापा घटाओ अगर हमें अपने सामर्थ्य का विस्तार करना है तो सबसे पहले हमें अपनी Fitness और Wellbeing पर ध्यान देना होगा. वैसे साथियों, Fitness के लिए और हड़्दबढ़ कम करने के लिए मेरा एक सुझाव आपको याद है ना!



खाने में 10ल तेल कम करो, मोटापा घटाओ. जब आप एट्ट होंगे, तो जीवन में और ज्यादा Super Hit होंगे.’

मोरारजी देसाई और बाबू जगजीवन राम को किया याद – पीएम मोदी ने आपातकाल पर कहा, ‘मोरारजी

देसाई ने आपातकाल का संक्षिप्त वर्णन कियाआपातकाल लगाने वालों ने न केवल लोकतंत्र की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को अपनी कठपुतली बनाए रखना था. ‘मीसा’ के तहत किसी को भी मनमाने ढंग से

गिरफ्तार किया जा सकता था, लोगों को प्रताड़ित किया जा सकता था. भारतीयों ने लोकतंत्र से समझौता करने से इनकार कर दिया. आखिरकार, लोगों की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया. बाबू जगजीवन राम ने इस बारे में जोरदार ढंग से बात की.’

इमरजेंसी का मुकाबला करने वालों को याद करना चाहिए- पीएम मोदी ने कहा, ‘देश पर Emergency थोपे जाने के 50 वर्ष कुछ दिन पहले ही पूरे हुए हैं. हम देशवासियों ने संविधान का ध्वंसक बनाया है. हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने Emergency का डटकर मुकाबला किया था. इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहनी की प्रेरणा मिलती है.’

ज्यादा से ज्यादा लोग योग को जीवन में शामिल कर रहे हैं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग पर बत करते हुए कहा कि 21 जून को देश और दुनिया भर में

लाखों लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया. इसकी शुरुआत 10 साल पहले हुई थी. पिछले 10 सालों में हर साल उनकी परंपरा पहले से कहीं ज्यादा दिवस मनाया है. हमें हमेशा उन सभी लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने Emergency का डटकर मुकाबला किया था. इससे हमें अपने संविधान को सशक्त बनाए रखने के लिए निरंतर सजग रहनी की प्रेरणा मिलती है.’

आज के जवाहर नगर मंडल द्वारा आयोजित मन की बात कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मंदर टेरेसा वार्ड क्रमांक 47 की पार्षद श्रीमती सीमा संतोष साहू जी, इंदिरा गांधी वार्ड क्र 27 के पार्षद एवं द्धर्ष सदस्य अवतार सिंह बागल, पूर्व पार्षद भारती बागल, इंदिरा गांधी वार्ड के पूर्व पार्षद भावेश पिथालिया जी, जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जधेल,महामंत्री गीता रेड्डी, श्रीमती वेणुका शुक्ला,श्रीमती एकता गुप्ता,श्रीमती सरोज गुरु गोसाई,प्रियंका साहू , तलमेल, सूरज शर्मा,शंकर शर्मा,संतोष विश्वकर्मा,संतोष निहाल, मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन, उपस्थित थे।

### संक्षिप्त समाचार

## राजीव भवन से पीसीसी चीफ का मोबाइल पार, जांच में जुटी पुलिस...

रायपुर ( समय दर्शन )। पीसीसी चीफ दीपक बैज रविवार को राजीव भवन में NSUI की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक ले रहे थे। इसी बीच उनका मोबाइल गायब हो गया। श्री बैज का मोबाइल गायब होते ही हड़कंप मच गया और राजीव भवन में खोजबीन शुरू हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब मोबाइल नहीं मिला तो इसकी शिकायत पुलिस में की गई। दरअसल, 7 जुलाई को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आ रहे हैं। रायपुर के साईंस कॉलेज में होने वाले किसान, जवान, संविधान कार्यक्रम में वो शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर पीसीसी चीफदीपक बैज ने एनएसयूआई के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई थी। बैठक आज दोपहर शंकर नगर स्थित राजीव भवन में रखी गई थी। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करने के लिए दीपक बैज बाहर आये थे। पत्रकारों से बातचीत के बाद वो अंदर पहुंचे तो उनका टेबल पर रखा आईफोन-15 प्रो गायब था। उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका मोबाइल नहीं मिला।

इधर जैसे ही भवन के अंदर मोबाइल चोरी होने की खबर फैली तो हड़कंप मच गया। सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का मोबाइल खोजने लगे, लेकिन मोबाइल का पता नहीं चल पाया। दीपक बैज ने मोबाइल चोरी होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस भवन पहुंची और मोबाइल चोर का पता लगाने में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रैक करने पर पता करने पर पता चला कि मोबाइल को 200 मीटर दूर बंद किया गया। फ्लिहाल पुलिस मामले में जाँच कर रही है।

## मुख्यमंत्री से निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. कैलाशनंद गिरी ने की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से रविवार को निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशनंद गिरि के साथ विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।



## सीएम साय ने सुनी पीएम मोदी की ‘मन की बात’



रायपुर ( समय दर्शन )। मुख्यमंत्री साय ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ को सुना और इसे प्रेरणादायी बताया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जन-भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विचारों से प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के ‘मन की बात’ कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री मोदी ने उपयोगी जानकारीयाँ साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव का आधार बनते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह दृष्टिकोण हम सभी को प्रेरित करता है और यदि हम नियमित रूप से छोटे लेकिन सार्थक कदम उठाएँ, तो समाज और देश में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की छोटी-छोटी से लेकर बड़ी उपलब्धियों पर भी अपनी बात साझा करते हैं और उसकी सराहना करते हैं। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने योग दिवस की भव्यता, पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि, 1975 के आपातकाल और भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की वियतनाम यात्रा और भारत के ट्रेकोमा मुक्त होने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत हम सभी का संकल्प है और राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए छत्तीसगढ़ हर मोर्चे पर दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा है। इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशनंद गिरी महाराज, केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर, कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक राजेश मृणत, विधायक अंजु शर्मा, विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक प्रबोध मिंज, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हरके, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत उपस्थित थे।



## विचार-पक्ष

# भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

#### ललित गर्ग

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आइना दिखाने वाली है जिसमें पचास फ़ैसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फ़ैसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फ़ैसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के



सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फ़ैसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को

## अवैध झुगियों पर चले बुलडोजर से सुलगते सवालों के

# बीच अरविंद केजरीवाल दिल्ली दंगल में फिर कूदे

#### कमलेश पांडे

देश की राजधानी और दिलवालों के शहर दिल्ली की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर से उपजते सवालों के बीच प्रमुख विपक्षी पार्टी आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी अपने सुलगते आरोपों के साथ कूद पड़े हैं। इससे सत्ताधारी भाजपा की सियासी मुश्किलें बढ़नी स्वाभाविक हैं, जिससे बचने के लिए उसके नेता दलील दे रहे हैं कि कोर्ट के आदेशों के दृष्टिगत यह कार्रवाई चल रही है। लिहाजा इसमें भाजपा का कोई हाथ नहीं है। जबकि दिले?ली के दंगल में कूदे अरविंद केजरीवाल अपने पुराने बयानों का हवाला देते हुए याद दिला रहे हैं कि चुनाव से पहले ही उन्होंने झुगियां पर होने वाली संभावित कार्रवाई के बारे में लोगों को आगाह कर दिया हैं और अब उनका साथ मिला तो दिल्ली सरकार के खिलाफआर-पार की लड़ाई उनकी पार्टी लड़ेगी। इसलिए चर्चा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से यहां के सियासी दंगल में कूद पड़े हैं। प्रायः उसी अंदाज में, जैसा कि वो चुनाव से पहले दिखाया करते थे। ऐसे में सवाल है कि आखर्?र ऐसी क?या वजह रही कि? उ-?हें खुद ही मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिथी मार्लेना और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह आदि के रहते हुए भी उन्हें किसी सेनानायक की तरह खुद ही सियासी मैदान में उतरना पड़ा। जबकि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद वो पंजाब का रुख कर चुके थे। वहीं, पंजाब व गुजरात विधानसभा उपचुनाव की जीत ने भी उन्हें उत्साहित किया है।

बताया जाता है कि भारतीय राजनीति में किसी भी चतुर नेता की सियासी मौत नहीं होती है, बल्कि ब्रेक के बाद उसके फिर से उभरने के चांसेज बने रहते हैं। बशर्त कि उसे मुद्दे की समझ हो और जनसंघर्ष की ललक। ये दोनों चीजें केजरीवाल में कूट कूट कर भरी हैं। यही वजह है कि द?ले?ली विधानसभा चुनाव के हारने के कई महीनों बाद अरविंद केजरीवाल एक बार फर्?र पूरी र? में दिखे और दिले?ली सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक पर फर्?र उसी तरह से अटैक का?या, जैसे वो पहले किया करते थे।

इसलिए लोगों के जेहन में यह सवाल कूदेर रहा है कि आखर्?र ऐसा क?या हुआ कि? केजरीवाल को द?ले?ली के मैदान पर उतरना पड़ा, जबकि द?ले?ली में शि?कर?त के बाद उन्होंने पंजाब में डेरा डाल दिया था। इस बीच कुछ घटनाएं भी हुईं, लेकिन ये द?ले?ली आने से बचे। इससे लोग कयास लगा रहे हैं कि शायद वो गम्भीरता पूर्वक दिल्ली में वापसी का रास्?ता और मुद्दे दोनों तलाश रहे थे, जो द?ले?ली की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर ने उन्हें दे दिया। क्योंकि ये लोग ही



तो उनके कोर वोटर्स रहे हैं।

यही वजह है कि जब उनके कोर वोटर्स के अवैध झुगियों पर बुलडोजर चला तो अरविंद केजरीवाल अपनी पूरी टीम के साथ पुनः दिले?ली दाखिल हो लिए और यहां के सियासी दंगल में जोरदार पलटवार के अंदाज में उतर गए। अपनी सोची समझी रणनीति के मुताबिक वो पहले दिले?ली सरकार, उसके बाद केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने झुग्गी वासियों को याद दिलाते हुए कहा कि, ‘चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुगियां तोड़ देंगे। आज वही हो रहा है। ये सारी झुग्गियां तोड़ने का इरादा लेकर आए हैं।’

इससे स्पष्ट है कि केजरीवाल का मकसद साफ है कि? अब द?ले?ली में दो-दो हाथ करने हेतु वो फर्?र से उतर गए हैं। ऐसे में सवाल फिर वही कि आखर्?र ऐसा क?या हुआ कि? केजरीवाल को फर्?र दिले?ली के दंगल में उतरने का मौका मिल गया? आखिर झुग्गियों पर बुलडोजर चला तो केजरीवाल को क?यों चुषा? जिससे वो फर्?र से दिल्ली के सियासी दंगल में उतरने को मजबूर हुए।

समझा जाता है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्?ता की सरकार ने यहां पर वो कार्ड चला दिया जो केजरीवाल के ल?िए मुसीबत बन सकता था। क्योंकि अगर वे इस वक?त नहीं बोलते, तो यहां झुगियों का एक बड़ा वर्ग उनसे छूट जाता। इसलिए केजरीवाल ने कहा भी है कि, दिल्ली की झुगियों में 40 लाख लोग रहते हैं, यदि ये इकट्ठे हो गए तो किसी की आँकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि यह सारा खेल इन 40 लाख लोगों यानी वोटर्स का है, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल पुनः अपना सियासी मैदान पाने और बचाने, दोनों के लिए एक सोची समझी रणनीति के तहत पुनः मैदान में कूदे हैं। इस प्रकार यदि विधानसभा चुनावों के आंकड़े

देखें तो 2015 में आम आदमी पार्टी यानी आप को स्लम वोट में लगभग 66 प्रतिशत मिला था। वहीं, सीएसडीएस के सवे के मुताबिक, 2020 में आम आदमी पार्टी को 61 प्रतिशत वोट यहां मिले। लेकिन 2025 में यह आंकड़ा बदलता दिखा। सियासी कोढ़ में खाज यह कि सबसे ज?यादा र?लम वाली 10 सीटों में 7 बीजेपी को मिल गईं, जो आपके हार की वजह बनी। लेकिन बीजेपी ने उनसे जो गद्दारी की है, उसका सियासी मजा तो वे तब चखाएंगे, जब पुनः यहां पर कोई चुनाव होगा।

बताते चलें कि दिल्ली में 675 झुग्गी झोपड़ा?यां हैं, जहां लगभग तीन लाख परिवार रहते हैं। ये कॅोलोनियां यहां की कुल 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 62 विधानसभा क्षेत्रों में फैली हुई हैं। खास बात यह कि इन विधानसभा क्षेत्रों में तकरीबन 40 फ़ैसदी वोटर झुग्गी झोपड़ा?यों वाले हैं, जो किसी भी चुनाव में जीत हार तय करने की र?थ?त? में होते हैं। कुछ यही वजह है कि केजरीवाल समझते हैं कि? अगर इन-इ?हें छोड़ द?या तो दिले?ली का चुनाव आगे जीताना मुश्क?ल हो जाएगा। क?योंकि? इनमें से बहुत सारे वोटर्स केजरीवाल के कोर वोटर्स रहे हैं। आप की प्रे्र बिजली-पानी, बस यात्रा, मोहल्ला क्लीनिक जैसी सुर्व?धाएं, इन लोगों को लुभाती रही हैं और केजरीवाल सरकार के ये बड़े लाभार्थी रहे हैं। इसलिए अब झुग्गी झोपड़ा?यों पर बुलडोजर चलने का मतलब है कि? इन वोटर्स में यह भय पैदा कि?या जा रहा है। चतुर राजनीतिक खिलाड़ी केजरीवाल इस स्थिति का लाभ लेना चाहते हैं।

वहीं, द?ले?ली बीजेपी अध?यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल की इस र?ली पर तीखा पलटवार क?रते हुए कहा कि, यह हारे हुए ठुकराए हुए और दिल्ली से भागाए गए लोगों का जमाबंडा है। किराए के लोगों को बुलाकर भीड़ इकट्ठा की गई। ये अर्बन नक्सलवादी विचारधारा मानने वाले लोग हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पूरी टीम में अराजकवादी लोग हैं जो हमेशा संविधान के खिलाफजाकर बात करते हैं।

## समय दर्शन

## संपादकीय

### 27 सालों की दूरी खत्म

दक्षिण अफ्रीका आखिरकार, अपनी आईसीसी ट्राॅफियों से 27 सालों से चली आ रही दूरी को खत्म करने में सफल हो गया। यह दूरी उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत कर खत्म की है। इस सफलता के साथ ही उनके ऊपर लगा चोकर्स का टेग भी हट गया है। दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में एकमात्र आईसीसी ट्राॅफी के रूप में नॉकआउट ट्राॅफी जीती थी और बाद में इसी ट्राॅफी को चैंपियंस ट्राॅफी का नाम दे दिया गया था। इसके बाद तमाम मौकों पर वह चैंपियन बनने की तरफ बढ़ता दिखा पर महत्वपूर्ण मौकों पर लड़खड़ाहट की वजह से उसके साथ चोकर्स का टेग चस्पां हो गया था जो इस सफलता के बाद हट गया है। क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लंदन के लार्डस मैदान पर खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने उतार-चढ़ाव वाले फाइनल में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका की जीत के हीरो एडन मार्करम और कप्तान टेम्बा बवूमा रहे। मार्करम ने किसी भी गेंदबाज को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और अपनी शतकीय पारी से जीत की इबारत लिख दी। कप्तान बवूमा ने अच्छी कप्तानी तो की ही साथ ही हैमस्टिंग का शिकार बनने के बाद भी विकेट पर डटे रहकर मार्करम का भरपूर साथ दिया। दोनों के बीच 147 रन की साझेदारी जीत का आधार बनी। यह सफलता दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को आगे ले जाने में बहुत मददगार साबित होगी। दक्षिण अफ्रीका ने जब 2023-24 में न्यूजीलैंड का टेस्ट दौरा किया था, तो दौरे में सभी सीनियर खिलाड़ियों पर भरोसा जताना शुरू किया और इसके बाद टीम ने लगातार आठ टेस्ट जीत कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहली बार खेलने की राह बनाई और वह पहले ही प्रयास में विजेता बन गया। तीन बार इस चैंपियनशिप का अब तक आयोजन हुआ है, और हर बार नई टीम चैंपियन बनी है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बन चुकी हैं। भारतीय टीम दो बार फाइनल तक चुनौती पेश करके भी विजेता नहीं बन सकी है। भारतीय टीम इसी माह इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज की शुरुआत करके 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करने जा रही है। इसमें प्रदर्शन से ही इस बार भारत की चुनौती में कितना दम है, पता चल सकेगा।

### डिजिटल क्रांति : छत्तीसगढ़ में टेक्नोलॉजी से ट्रांसफॉर्मेशन

#### हिरा देवांगन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ डिजिटल इंडिया के सपने को साकार कर रहा है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और तकनीकी नवाचारों के बल पर छत्तीसगढ़ डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक डिजिटल तकनीक ने शासकीय कामकाज को आसान एवं प्रभावी बनाया है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से बुजुर्ग पेंशनरों, महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को नगद आहरण की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न योजनाओं की डीबीटी की राशि का ग्राम पंचायतों में ही नगद भुगतान की सुविधा होने से ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक नहीं जाना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मंत्रालयों और संचालनालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद अब जिलों में भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कार्यालयीन कामकाज में कागजी कार्यवाही को न्यूनतम करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। इससे कार्यालयीन कामकाज में तेजी आई है एवं प्रक्रिया और पारदर्शी हुई है। इस पहल से फाईलों के निपटारे में अनावश्यक लेटलतपी हो हुई है त्वरित निर्णय हो रहे हैं। 10 डिजिटल सेवाओं की शुरुआत से जमीन की रजिस्ट्री आसान और पारदर्शी हो रही है। आधार प्रमाणिकरण से अपाईंटेंट लेकर घर बैठे जमीन एवं मकान की रजिस्ट्री कराई जा रही है। रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः पूरी हो जाती है।

राज्य प्रशासन को दुरुस्त करने छत्तीसगढ़ के 14 हजार 900 गांवों का जियो रिफ्रेंसिंग का महत्वाकांक्षी कार्य पूरा हो चुका है। इस तकनीक से भूमि संबंधी विवाद दूर होंगे। खरीफ वर्ष 2025-26 में डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु 14 हजार से अधिक गांवों का चयन किया गया है। ई-कोर्ट के माध्यम से राज्य में राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है। साथ ही, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की रीयल-टाइम निगरानी की जा रही है। शासकीय खरीदी में पारदर्शिता के लिए जेम पोर्टल को अनिवार्य किया गया है, जिससे शासकीय खरीद प्रक्रिया में निष्पक्षता और जवाबदेही बढ़ी है।

प्रदेश के पेंशनरों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाया गया है। पेंशनरों और कर्मचारियों के लिए डिजीलॉकर के माध्यम से महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे ई-पीपीओ, जीपीएफ स्टेटमेंट, अंतिम भुगतान आदेश और पेंशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एम्प्लॉई कॉर्नर मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से शासकीय कर्मचारियों की सेवा जानकारी को अद्यतन करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ एआई के क्षेत्र में दुनिया से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित होने से प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इससे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगी। छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग तक डिजिटल सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रयत्नबद्ध है। सीजीएमएससीएल द्वारा एके के माध्यम से राज्य की देवा आपूर्ति श्रृंखला को रीयल-टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में समय पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर यह ऐप स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहा है।

खनिज विभाग द्वारा ऑनलाइन ट्रॉजिक्ट पास की सुविधा ने खनिजों के परिकहन को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया है। सीएमओ पोर्टल की शुरुआत ने नागरिकों और सरकार के बीच संवाद को और मजबूत किया है।

कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड़ नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है।

विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफ़ोन या अन्य तकनीकी संधानों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फ़ोम हॉम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे। जिसके कारण मधुमेह एवं हृदय रोग का खतरा मंडरा रहा है। भारत, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान जैसे देशों में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय बनी हुई है। क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में 14-20 फ़ैसदी से अधिक पीछे हैं। अध्ययन के अनुसार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में महिलाएं अधिक सक्रिय हैं। भारत में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, आलसीपन एवं सुस्ती को दूर करने के लिये समग्र जन-चेर्निका को जगाना होगा। सरकार को भी शारीरिक श्रम की योजनाओं को बल देना होगा। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार, कर्म, शरीर से कमजोर ही नहीं बल्कि बीमार बनायेगा, जो आजादी के अमृतकाल को धुंधलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

#### ईरान-इस्त्रायल युद्ध/अंतर्कथा

# बुशहर बचा क्यों पुतिन ठिठके क्यों ?

#### डॉ. सुधीर सक्सेना

21 जून को रात देर गये अमेरिका के बी-2 बमवर्षकों ने ईरान के तीन आण्विक ठिकानों को निशाना बनाया। फोर्दों, नतांज और इस्फ़हान के अलावा अरक के निर्माणाधीन रियेक्टर पर भी धावा बोला गया, लेकिन ‘आपरेशन मिडनाइट हैमर’ के अंतर्गत बुशहर स्थित आण्विक ठिकाने को बख्शा दिया गया। यह सोचना खामखयाली है कि इसे सदाशयतावश छोड़ा गया। वास्तविकता यह है कि दुष्परिणामों के आकलन ने इसे नेस्तनाबूद होने से बचा लिया। अमेरिकी धावे से इसके बचे रहने का एक बड़ा कारण रूस की चेतावनी को माना जा रहा है। रूस ने आगाह किया था कि यदि बुशहर के ठिकाने पर हमला होता है, तो बड़े पैमाने पर रेडियोधर्मिता फैल सकती है, जिसका दुष्प्रभाव मध्य पूर्व के अनेक राष्ट्रों को झेलना पड़ेगा।

रूस ने जब यह चेतावनी दी, तब हिरोशिमा और नागासाकी के हिबाकुशाओं का दर्द भले ही स्मृति में नहीं रहा हो, लेकिन उसके जेहन में सन 1986 में उकाइना में चेर्नोबिल में परमाणु संयंत्र में विस्फोट और विभीषिका की याद ताजा थी। फारस की खाड़ी के मुहाने पर स्थित बुशहर का परमाणु-संयंत्र ईरान का सक्रियतम रियेक्टर है। पत्तन-नगर के इस ठिकाने पर प्रहार का अर्थ था बड़े स्तर पर रेडियोधर्मिता का प्रसार। यह खतरा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कहर बरपा सकता था। पानी में घुलकर यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड पानी को विषाक कर देता, जबकि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बहरीन, ओमान और कतर के करोड़ों लोग शुद्धिकरण के पश्चात पीने के पानी के लिये इन्हीं स्रोतों पर अवलंबित हैं। ये देश प्रायः अमेरिका के मित्र राष्ट्र हैं और वहां उसके सैनिक अड्डे भी स्थित हैं। खाड़ी के पानी में जहर घुलने का सीधा अर्थ था मध्य पूर्व में त्राहि-त्राहि। बहरीन जहां शुद्धकृत जल पर शत-प्रतिशत निर्भर है, वहीं सऊदी अरब 50 प्रतिशत। कतर जहां मुख्यतः निर्भर है, वहीं कुवैत और कतर समेत कुछ राष्ट्रों के पास जल को शुद्ध करने की कोई सुविधा नहीं है। जाहिर है कि बुशहर पर बम वर्षा से उपजी रेडियोधर्मिता से मध्यपूर्व में रेडियोदरध्र हिबाकुशाओं का समूह तो पनपता ही, एक बड़ी आबादी के सम्मुख पीने के पानी का ऐसा अभूतपूर्व संकट उठ खड़ा होता, जिसका सामना करना संभव नहीं होता। इस भयावह त्रासदी की आशंका बुशहर स्थित परमाणु ठिकाने का कवच सिद्ध हुई और उसे जीवनदातु मिल गया।

23 जून, सोमवार को ईरान के विदेश मंत्री अरगागी सर्वोच्च शासक खामेनेई के राष्ट्रपति क्लादीमीर पुतिन के नाम खत के साथ क्रेमलिन में थे। ईरान की दिक्रत यह रही कि अमेरिका खुलकर इस्त्रायल के पक्ष में आ गया और ईरान को घुटने टेकने पर मजबूर करता रहा। यह कहना कठिन है कि रूस शरणागत इरानीयों का किस हद तक साथ देता, लेकिन घटनाक्रम दर्शाता है कि वह खम ठेंककर ईरान के पक्ष में आने से कतरता रहा। रूस के इस असमंजस का जवाब पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुये बखूबी दिया। पुतिन ने कहा कि आज इस्त्रायल की आबादी में 20 लाख से अधिक लोग वे हैं, जो पूर्ववर्ती सोवियत संघ से वहां गये हैं। इस्त्रायल एक तरह से रूसी भाषी राष्ट्र और रूस के वृहतर इतिहास का एक अध्याय है। पुतिन ने कहा कि रूस की 15 फीसद आबादी इस्लाम की अनुयायी है और इस्लामी राष्ट्रों से रूस के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। वह इस्लामी सहयोग संगठन का पर्यवेक्षक भी है।



**ब**च्चे छोटे हों या बड़े, अपने पैरेंट्स से अक्सर किसी ना किसी चीज की ज़िद करते ही रहते हैं। बस बचपन में उनकी ये ज़िदें ज़रा ज्यादा होती हैं और बड़ी बेतुकी भी। अब बच्चों की कुछ फरमाइशें पूरी करना तो ठीक है, लेकिन हर बार अगर आप बच्चे की ज़िद मान लेते हैं, तो ये कहीं से भी सही नहीं। जब बच्चा अपनी बेतुकी बात भी ज़िद कर के आप से मनवा लेता है, तो उसे फिर इसी की आदत लग जाती है। बच्चे को लगाने लगता है कि वो बिना एफर्ट के सब कुछ पा सकता है, जो आगे चलकर उसकी पर्सनेलिटी, डिसिप्लिन और इमोशनल कंट्रोल को इफेक्ट करता है।



## बच्चों की ये ज़िद कभी ना मानें पैरेंट्स...

### जब 'अभी के अभी चाहिए' वाली ज़िद करे बच्चा

कुछ बच्चे इतने जिद्दी होते हैं कि उन्हें सब कुछ तुरंत ही चाहिए होता है। उनका कहना होता है कि अभी के अभी मुझे वो चीज ला कर दो। पैरेंट्स के लाख समझाने पर भी वो नहीं मानते और रोना-धोना, चिल्लाना शुरू कर देते हैं। पैरेंट्स इस समय उनकी ज़िद पूरी कर के उनके इस बिहेवियर को बढ़ावा देते हैं। जबकि बच्चा जब भी पहली बार ऐसी ज़िद करे तभी पैरेंट्स को सतर्क हो जाना चाहिए। इससे बच्चे में इंपल्सिव बिहेवियर डेवलप होता है, जो आगे भविष्य में बहुत बड़ी प्रॉब्लम बन सकता है।

### जब खाने को ले कर ज़िद करे बच्चा

खाने को ले कर बच्चे अक्सर नखरे करते रहते हैं, लेकिन कहीं ना कहीं उनके इस बिहेवियर को बढ़ावा पैरेंट्स ही देते हैं। जब बच्चा खाने को ले कर ज़िद करता है, अपना मनपसंद खाना मांगता है; तो पैरेंट्स झट उसके आगे उसकी फेवरेट डिश सर्व कर देते हैं। लेकिन क्या हर बार ऐसा करना ठीक है? इस तरह तो आप खुद बच्चे को बढ़ावा देते हैं कि जब भी

कुछ हेल्दी खाना आपके आगे आए, तो ज़िद करना शुरू कर दो और बाहर का कुछ अनहेल्दी खा लो। इससे बच्चे की हेल्थ और ग्रोथ पर जो नेगेटिव असर पड़ता है, वो बताने की भी जरूरत नहीं।

### लगतार फोन या टीवी देखते रहने की ज़िद

आजकल के बच्चों का मन फोन या टीवी देखने से भरता ही नहीं। आज के पैरेंट्स की तो सबसे बड़ी चुनौती यही बन गया है कि कैसे वो बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें। लेकिन कई बार पैरेंट्स बच्चों की ज़िद के आगे उसका नुकसान तक नहीं देखते। बच्चा खाना खाते हुए फोन मांगता है तो दे देते हैं, सोने से पहले या उठने के तुरंत बाद बच्चों के हाथ में फोन थमा देते हैं। इससे बच्चे की कंसंट्रेशन पावर, नींद और फिजिकल एक्टिविटी पर नेगेटिव असर पड़ता है।

### पब्लिक प्लेस में चुप कराने के लिए उनकी बात मान लेना

छोटे बच्चे अक्सर ऐसा करते हैं कि उन्हें जब कोई चीज पसंद आ जाती है, तो वही दुकान या मॉल में रोना-धोना शुरू कर देते हैं। ऐसे में पैरेंट्स पब्लिक एंबेरेसमेंट से बचने के लिए बच्चों की ज़िद मान लेते हैं; चाहे वो बेतुकी ही क्यों ना हो।

# वास्तु के अनुसार सूर्यास्त के बाद नहीं करने चाहिए ये 5 कार्य

**हिंदू धर्म में सूर्यास्त के बाद कुछ कार्यों को करने की मनाही होती है।** जाने वास्तु के अनुसार, सूरज ढलने के बाद किन कामों को करना अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में कई ऐसे नियम वर्णित हैं जिनका पालन करना बहुत जरूरी होता है। इन नियमों की अनदेखी करने पर जीवन में नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, सूर्य अस्त होने के साथ अंधेरा हो जाता है, जिसे वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा फैलती है। वास्तु शास्त्र में सूर्यास्त के बाद कुछ कार्यों की मनाही होती है। मान्यता है कि इन कार्यों को करने से जीवन में आर्थिक तंगी व मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। जाने वास्तु के अनुसार सूरज डूबने के बाद किन कामों को नहीं करना चाहिए।

### शाम के समय किन चीजों का दान नहीं करना चाहिए?

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद दही, नमक, हल्दी व घन आदि का दान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा सूर्यास्त के बाद लहसुन, सुई, प्याज व खट्टी चीजें घर से बाहर नहीं करनी चाहिए। शाम के समय किसी को न ही पैसे उधार देने चाहिए और न ही लेने चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं।

### सूर्यास्त के बाद बाल व नाखून क्यों नहीं काटने चाहिए?

सूर्यास्त के बाद बाल व नाखून को नहीं काटना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और सकारात्मक ऊर्जा की क्षति होती है।

## क्यों आता है नहाने के बाद पसीना?



**घं**टों बाथरूम में शावर बाथ लेने के बाद जब आप कमरे में लौटकर आते हैं तो खुद को पसीने से भीगा हुआ पाते हैं, यह स्थिति हो सकता है आपके साथ भी होती हो। लेकिन क्या आप इसकी पीछे की वजह जानते हैं? नहाने के बाद पसीना आना एक सामान्य स्थिति हो सकती है, जिसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। आमतौर पर यह शरीर का बॉडी के तापमान को नियंत्रित करने का अपना एक तरीका होता है।

नहाने के बाद पसीना आने के पीछे कई वजह जिम्मेदार हो सकती हैं। नहाने के बाद पसीना आना, शरीर का तापमान कंट्रोल करने का अपना एक तरीका हो सकता है। दरअसल, गर्म पानी से नहाने पर शरीर का तापमान बढ़ा सकता है। इस तापमान को सामान्य करने के लिए शरीर पसीना निकालता है ताकि अतिरिक्त गर्मी बाहर निकल सके। नहाते समय बाथरूम में अगर वेंटिलेशन अच्छा ना हो तो ह्यूमिडिटी

और गर्मी बढ़ने से भी पसीना आ सकता है। कुछ लोगों के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव (जैसे थायरॉइड या तनाव) की वजह से भी उन्हें नहाने के बाद पसीना अधिक आ सकता है। कुछ लोगों की त्वचा बेहद संवेदनशील होती है, ऐसे लोगों को नहाने के बाद त्वचा के रोमछिद्र खुलने से अधिक पसीना आ सकता है। नहाने के लिए हमेशा ठंडे या गुनगुने पानी का उपयोग करें।



## स्किन को हेल्दी, शाइनी और बेदाग बनाने के उपाय

**स्किन** को हेल्दी, शाइनी और बेदाग बनाने के लिए त्वचा की देखभाल करना बहुत जरूरी है। चावल का आटा सिरियों से स्किन की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके इस्तेमाल से स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद मिलती है। ये त्वचा को मुलायम और चमकदार भी बनाता है। चावल में मौजूद फेसलिक एसिड और एलेंटोइन त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ-साथ उसे सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाते हैं। खिली-खिली स्किन पाने के लिए आप इन 4 तरीकों से चावल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से स्किन चंद दिनों में ही रिजल्ट दिखाएगा। स्किन पर चावल इस्तेमाल करने के 4 तरीके

### 1) चावल का पानी और गुलाब जल

चावल से फेस मिस्ट बनाने के लिए आप चावल के पानी को गुलाब जल के साथ मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए चावल को अच्छे से धोएं और फिर इसे भिगो दें। जब चावल अच्छे से भिग जाएं तो इसे छान लें। इस पानी में गुलाब जल मिलाएं और फिर उसे बोतल में स्टोर करें।

### 2) चावल के पानी से बनाएं बर्फ के टुकड़े

अगर आपके पास समय की कमी है तो आप चावल से बर्फ के टुकड़े बनाकर उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। सुबह के समय होने वाली पफीनेस को कम करने के लिए ये बर्फ के टुकड़े खूब काम आते हैं। इसे बनाने के लिए चावल के पानी में एलोवेरा जेल मिलाएं और इसे बर्फ की ट्रे में जमाएं।

### 3) चावल का आटा, कॉफी, चीनी और कच्चा दूध

चावल से आप फेस पैक भी तैयार कर सकते हैं। इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से आप स्किन को अच्छे से एक्सफोलिएट कर सकते हैं। इसके अलावा इस पैक के इस्तेमाल से टैनिंग की समस्या से भी निपट सकते हैं।

### 4) चावल का आटा, शहद और कच्चा दूध

गर्मी के मौसम में चेहरे पर होने वाली रेडनेस और जलन को शांत करने के लिए इस पैक का इस्तेमाल करें। ये फेस पैक ड्राई स्किन के लिए सबसे अच्छा है।

## नाश्ते में खाएं लौकी का चीला

**हे**ल्दी खाना खाने की शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन नाश्ते में क्या खाएं ये सवाल नहीं आता तो लौकी का चीला बनाकर खाएं। फटाफट बनने वाला ये चीला स्वाद में अच्छा लगता है और फटाफट बनकर तैयार हो जाता है। इसे हरे कोर्ड फटाफट तैयार कर सकता है। यहां सीखिए इस चीले को बनाने का तरीका।



### लौकी का चीला बनाने की सामग्री

एक कप कद्दूकस की हुई लौकी, आधा कप कसा हुआ गाजर, एक छोटा कटा हुआ प्याज, दो से तीन हरी मिर्च कटी हुई, एक चम्मच कसा हुआ अदरक, कटा हुआ धनिया, आधा कप बेसन, एक बड़ा चम्मच चावल का आटा, आधा छोटा चम्मच हल्दी, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च, आधा छोटा चम्मच चिली प्लेक्स, तीन चुटकी काली मिर्च पाउडर, नमक स्वाद अनुसार, आधा छोटा चम्मच अजवाइन, एक चुटकी हींग, एक चम्मच राई, एक छोटा चम्मच जीरा, आवश्यकतानुसार पानी, धी या तेल

### कैसे बनाएं लौकी का चीला

इस चीले को बनाने के लिए सबसे पहले लौकी को अच्छे से धोएं और फिर इसे छील कर कद्दूकस कर लें। अब बाकी सब्धियां जैसे प्याज, गाजर, अदरक, हरा धनिया और हरी मिर्च को बारीक काट लें। अब बेसन को छान लें और फिर इसमें चावल

का आटा मिलाएं। सभी मसालों को मिलाएं और फिर मिव्स करें। अब इसमें सब्धियों को भी मिलाएं। फिर जरूरत पड़ने पर इसमें पानी मिलाएं और घोल तैयार करें। अब एक तड़का तैयार करें, जिसके लिए तेल गर्म करें और फिर इसमें राई, जीरा को

चटकाएं। इस तड़के को घोल में डालें और अच्छे से मिव्स करें। अब तवा गर्म करें और धी डालकर चीले के घोल को फैलाएं। दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके और फिर चटनी, केअप या फिर खट्टी-मीठी सॉट के साथ सर्व करें।



### स्पाइसी फ्राइड फूड

मानसून के दौरान व्यक्ति का पाचन तंत्र स्लो हो जाता है। ऐसे में ज्यादा स्पाइसी और फ्राइड फूड पचाना मुश्किल हो जाता है। इस मौसम में जरूरत से ज्यादा पकोड़े, समोसे, चिप्स और अन्य तले हुए स्नेक्स खाने से परहेज करें। ये सभी चीजें गैस, एसिडिटी और अपच की समस्या पैदा कर सकती हैं।

### मशरूम

आहार विशेषज्ञ के अनुसार बरसात के मौसम में मशरूम का सेवन करने से भी परहेज

करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मौसम में मशरूम बहुत आसानी से संक्रमित हो जाती है। इसमें बैक्टीरिया और फंगस लग जाते हैं। संक्रमित मशरूम खाने से इंफेक्शन समेत कई तरह की बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है।

### हरी पतेदार सब्धियां

संक्रमण को अच्छा बनाए रखने के लिए हरी पतेदार सब्धियों का सेवन करने की सलाह अक्सर दी जाती है, लेकिन बारिश के मौसम में पतेदार सब्धियों का सेवन आपको बीमार

कर सकता है। मानसून के दौरान इन सब्धियों में लगे कीड़े सब्जी को दूषित कर देते हैं। जिसके सेवन से कई तरह की बीमारियां का खतरा बढ़ सकता है।

### स्ट्रीट फूड्स

मानसून के दौरान चटपटा खाने की क्रेविंग तेज हो जाती है। लोग स्ट्रीट फूड जैसे गोलगप्पे, चाट, भेलपूरी आदि खाने के लिए घर से बाहर निकल पड़ते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में स्ट्रीट फूड खाने से बचें। बारिश के मौसम में खुले में बिकने वाली चीजों को खाने से

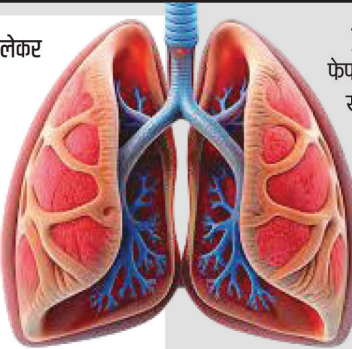
इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही गोलगप्पे जैसी चीजों में इस्तेमाल होने वाला पानी भी दूषित हो सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।

### सी फूड्स का सेवन

मानसून में सी फूड्स का सेवन संक्रमण फैला सकता है। दरअसल बारिश का मौसम मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के लिए प्रजनन का समय होता है। इस समय इन्हें खाने से कई तरह के संक्रमण और फूड पोइजनिंग का खतरा बढ़ सकता है।

## फेफड़ों में इंफेक्शन होने पर शरीर देता है कुछ ऐसे संकेत....

**फे**फड़ों में इंफेक्शन बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक सभी को परेशान कर सकता है। लंग्स में इंफेक्शन होने से परेशानी बढ़ जाती है। इंफेक्शन होने पर शरीर कुछ ऐसे संकेत देता है, जिन पर ध्यान देकर संक्रमण को शुरूआती दौर में ही रोका जा सकता है। कई बार ये लक्षण मामूली सर्दी-जुकाम जैसे ही लगते हैं, लेकिन अगर समय रहते इनकी पहचान नहीं की गई, तो समस्या गंभीर भी हो सकती है। कई बार तो मरीज की जान तक चली जाती है। ऐसे में शुरूआती दौर में ही इसकी पहचान कर लेने में भलाई है। आइए आपको बताते हैं फेफड़ों में संक्रमण के वो पांच संकेत, जिसे आप महसूस करते हैं आसानी से इसे पकड़ सकते हैं। साथ ही हेल्थ एक्सपर्ट से भी जानते हैं कि लंग्स में इंफेक्शन क्यों होता है और कैसे इसे ठीक किया जा सकता है।



### खांसी के साथ गाढ़ा बलगम

फेफड़ों में संक्रमण होने पर अक्सर लगातार खांसी आती है। साथ ही गाढ़ा बलगम निकलता है। ये बलगम सफेद, पीला, या कभी-कभी भूरे रंग का भी हो सकता है। इसमें कई बार थोड़ा सा खून भी मिल सकता है। ये खांसी सामान्य सर्दी-खांसी से अलग होती है, क्योंकि इसमें बलगम की मात्रा ज्यादा और रंग गाढ़ा होता है।

### सांस फूलना या सांस लेने में दिक्कत

फेफड़ों के संक्रमण होने पर मरीज को सांस लेने में दिक्कत या सांस फूलने की समस्या हो सकती है। थोड़ी दूर चलने पर या सीढ़ियां चढ़ते समय भी सांस फूलने लगती है। क्योंकि इंफेक्शन की वजह से फेफड़ों में सूजन आ जाती है या बलगम जमा होने लगता है, जिससे से ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है। अगर सांस फूलना लगातार हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

### सीने में दर्द या चुभन

अगर फेफड़ों में संक्रमण के दौरान खांसते या गहरी सांस लेते समय सीने में तेज दर्द या चुभन महसूस हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कई बार यह दर्द पीठ के ऊपरी हिस्से तक



भी जा सकता है। कई बार यह दर्द असहनीय होता है। ऐसे में जब भी इस तरह का दर्द महसूस हो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

### बुखार और ठंड लगना

फेफड़ों के संक्रमण की वजह से शरीर का तापमान बढ़ जाता है और तेज बुखार आ सकता है। कई बार बुखार के साथ ठंड लगना, पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द और कमजोरी भी महसूस हो सकती है। अगर बुखार 102 डिग्री फारेनहाइट से अधिक हो जाए या तीन से ज्यादा दिनों तक बना रहे, तो डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

### थकान और कमजोरी

संक्रमण के दौरान शरीर का इम्यून सिस्टम बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से लड़ने में व्यस्त हो जाती है, जिससे मरीज को लगातार थकान, कमजोरी और सुस्ती महसूस होती है।

क्योंकि इस दौरान शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन सप्लाई नहीं मिल पाती है।

लंग्स में संक्रमण होने के कई और लक्षण हो सकते हैं। अगर आपको ऊपर दिए संकेत हो रहे हैं तो जरूर डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा कुछ और लक्षण होते हैं। बहती नाक या गले में खराश, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, त्वचा या होंठ का नीला पड़ना

### डॉक्टर से कब मिलें?

बुखार 3 दिन से ज्यादा रहे या बहुत तेज हो जाए। सांस लेने में लगातार दिक्कत हो। खांसी के साथ खून आए। सीने में तेज दर्द या चुभन हो। कमजोरी या थकान बढ़ती जाए।

### कैसे करें बचाव ?

साफ-सफाई का ध्यान रखें। मौसम बदलते ही जगहें पर जाने से बचें। विटामिन सी, डी और जिंक युक्त पोषिक आहार लें। जरूरत पड़ने पर टीकाकरण करवाएं। पर्याप्त पानी पिएं और आराम करें।



## संक्षिप्त समाचार



**रायपुर ( समय दर्शन )**। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने संजीव शुक्ला को किसान जवान संविधान जनसभा का प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया गया है । इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह नेंदु उपस्थित थे ।

**कांग्रेसियों ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम समिति प्रबंधकों को ज्ञापन, खाद उपलब्ध कराने की मांग की, पाटन ब्लॉक के सभी 29 समितियों में पहुंचे कांग्रेसी**



**पाटन**। सेवा सहकारी समितियों में खाद की कमी को लेकर कांग्रेस ने पाटन ब्लॉक के सभी 29 समितियों में एक साथ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस दीपक बैज के निर्देशानुसार में, पुर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर के नेतृत्व में, पुर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन किसानों को खाद, बीज उपलब्ध कराने मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम सोनपुर सोसायटी में समिति प्रबंधक रामावतार वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें विधायक प्रतिनिधि सेक्टर प्रभारी चोवा राम सिन्हा,तोरन लाल सिन्हा जिला अध्यक्ष टीम राहुल गांधी दुर्ग, ईश्वर बंजारे, बंशी लाल कुंभकार, छत्रपाल साहू, गिरधार साहू, तरुण, टंकेश्वर,डाकेश, सुख-चैन, ढालसिंह एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी तरह जाम गांव आर, फुंझा सेलूद सहित अन्य समितियों में ज्ञापन सौंपा गया।

**सेवा सहकारी समिति पाटन में खाद बीज की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन**



**बलराम यादव/ पाटन**। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आज नगर कांग्रेस कमेटी पाटन के कांग्रेसजनों द्वारा खाद बीज की अनुपलब्धता से किसानों को हो रही परेशानी के सन्दर्भ में सेवा सहकारी समिति पाटन में जा कर सांकेतिक प्रदर्शन कर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम से ज्ञापन सौंपा गया साथ ही जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज को उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने हेतु मांग किया गया। प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रमुखरूप से:- हेमंत देवांगन,पुरूषोत्तम कश्यप,लक्ष्मी नारायण पटेल,बलदाऊ भाले,तरुण बिजौर,आभाष दुबे,कमल किशोर वर्मा,सरजू साहू,लीलाधर वर्मा,मनोज कुर्,वीरेंद्र कौशिक,दीपक यादव,नीरज सोनी,प्रशांत शुक्ला,बिसोहा देवांगन,लिलेश वर्मा,सतीश देवांगन,नीरज चंद देवांगन,राज देवांगन,युवराज साहू,प्रदीप वर्मा,महेंद्र पंडरिया,शंकर नाम,मनोज वर्मा,दिनेश शर्मा,तरुण वर्मा,गीतम कौशिक, निशांत त्रिपाठी,रूपेश लहरी,विकास साहू,निक्की वर्मा,हितेश वर्मा,शिवम यादव सहित कांग्रेसजन एवं किसान साथी उपस्थित रहे।

# डॉ. हेमशंकर जेटमल साहू को भारत गौरव पुरस्कार से किया गया सम्मानित

**राजनांदगांव ( समय दर्शन )**। सामाजिक, शैक्षणिक और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव निवासी डॉ. हेमशंकर जेटमल साहू को भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 28 जून 2025 को मुंबई के मीरा रोड (पूर्व) स्थित भारत रत्न लता मंगेशकर नाट्यगृह में आयोजित हुए अखिल भारतीय प्रतिभा प्रेरणा महामम्मेलन-2025 में प्रदान किया गया। इस भव्य आयोजन का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों से समाजसेवियों, शिक्षाविदों, कलाकारों और नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाकर उनके योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में पुस्तक विमोचन, पुरस्कार वितरण और कला-संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी। आयोजन की



अध्यक्षता सामाजिक संस्था व बालाजी एजुकेशन ट्रस्ट के संस्थापक श्री कृष्णाजी माधुड़े ने किया।  
**ऐसा रहा है डॉ. हेमशंकर जेटमल साहू का सफर** - पिछले दो दशकों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय डॉ. साहू अलवा फ़उंडेशन (नई दिल्ली) के चेयरमैन और बैशखिन देवी एजुकेशन एवं हेल्थ चैरिटेबल ट्रस्ट

**आज प्रदेश में शिक्षकों का महा हड़ताल, 1.80 लाख शिक्षक स्कूल छोड़कर उतरेंगे सड़कों पर**



**राजनांदगांव ( समय दर्शन )**। राज्य में शिक्षक आंदोलित हैं। 1 जुलाई को प्रदेशभर के 146 विकासखंडों में 1 लाख 80 हजार शिक्षक स्कूलों से गैरहाजिर रहकर सड़कों पर उतरेंगे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करेंगे। शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में यह आंदोलन होगा, जिसमें राज्य के 23 से अधिक शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। शिक्षक मंच के संयोजक संजय शर्मा, मनीष मिश्रा, केदार जैन, वीरेंद्र दुबे, विकास राजपूत और जाकेश साहू ने बताया कि यह आंदोलन शिक्षका सोना साहू को मिले न्याय के अनुरूप पूरे प्रदेश के शिक्षकों को लाभ न मिलने के विरोध में है। मांग की जा रही है कि सभी पात्र शिक्षकों को प्रथम नियुक्ति तिथि से क्रमोन्नति वेतनमान मिले, एरियर की राशि दी जाए और पुरानी पेंशन बहाल की जाए।

**शिक्षकों को हो रहा है बड़ा आर्थिक नुकसान**- शिक्षक नेताओं कृष्ण कुमार नवरंग और राजनारायण द्विवेदी ने बताया कि सूरजपुर की शिक्षिका सोना साहू को उच्च न्यायालय के आदेश पर क्रमोन्नति वेतनमान और एरियर्स का लाभ मिला है, लेकिन अब तक सरकार ने समस्त शिक्षकों के लिए जनरल ऑर्डर जारी नहीं किया है। इससे हजारों शिक्षकों को हर माह 15 से 20 हजार रुपए का नुकसान हो रहा है।  
**डीएड धारियों को भी मिले पदोन्नति का अवसर**- भूपेंद्र बनाफ़, शंकर साहू, भूपेंद्र गिलहरे, चेतन बघेल, गिरीश केशकर, लैलून भरतद्वज, प्रदीप पांडे, प्रदीप लहरे, राजकिशोर तिवारी, कमल दास मुरचले, प्रीतम कोशले, विक्रम राय, विष्णु प्रसाद साहू, धरम दास बंजारे, अनिल कुमार टोप्पो प्रमुख हैं।

**समग्र ब्राह्मण परिषद् का प्रकृति श्रृंगार अभियान- अमलेश्वर में फलदार पौधों का रोपण किया**

**रायपुर ( समय दर्शन )**। ब्राह्मण सामाजिक संगठन समग्र ब्राह्मण परिषद् छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर से लगे दुर्ग जिला के सीमांत ग्राम अमलेश्वर के वुड आई लैंड में फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। संगठन के प्रदेश सचिव द्वय श्रीमती अर्चना दीवान एवं पं.श्रीकांत तिवारी (युवा परिषद्) ने संयुक्त रूप से जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि संगठनात्मक रूप से प्रदेश स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के 2 लिये लगातार एक महीने तक सघन वृक्षारोपण हेतु प्रकृति श्रृंगार का अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए शहर के आसपास स्थित कालोनियों, देवस्थलों सहित गांवों में स्कूल आदि अन्य जगहों पर वहाँ के स्थानीय निवासियों के सहयोग से पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज रायपुर से लगे दुर्ग जिला की सीमांत नगर पालिका अमलेश्वर के

(नागपुर) के अध्यक्ष हैं। उनके नेतृत्व में इन संस्थाओं ने महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार, जैविक खेती, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, शिक्षा विस्तार और ग्रामीण नेतृत्व निर्माण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। हाल ही में मई 2025 में अलवा फ़उंडेशन को कीर्गीर्ज रिपब्लिक इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो डॉ. साहू के नेतृत्व को अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रमाण है। डॉ. साहू का मानना है, सशक्त समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी यह सोच उनके कार्यों में स्पष्ट झलकती है, जो हजारों लोगों के जीवन को नई दिशा दे रही है।  
**महामम्मेलन में दिग्गजों का रहा जमावड़ा** - कार्यक्रम में कई गणमान्य



अंतर्गत वुड आई लैंड आवासीय कालोनी में आम, आंवला, बेल, करौंदा आदि औषधीय गुणयुक्त फलदार पौधे लगाये गये. इस कार्य में वुड आई लैंड आवासीय कालोनी परिसर के अध्यक्ष श्री संजय दीवान, उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति परगनिहा वरिष्ठ सदस्य ?श्री हरी ? प्रसाद दुबे, पूर्व अध्यक्ष श्री महेश राम साहू, श्री अविनाश दीवान, श्री पी

**सफलता की कहानी : पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से गृहणी को बचत में मिली मदद, आधा हुआ बिल**



**दुर्ग ( समय दर्शन )**। दुर्ग जिले के ग्राम धनोरा में रहने वाली वरुणी साहू एक आम गृहिणी हैं। उनका परिवार काफी बड़ा है, और बड़े परिवार के साथ बिजली का बिल भी बड़ा ही आता था। वरुणी जी बताती हैं कि हर महीने आने वाला भारी-भरकम बिजली का बिल उनके घर के बजट पर एक बड़ा बोझ था। उनकी चिंता जायज थी, आखिर इतनी बिजली की खपत का खर्च उठाना किसी के लिए भी आसान नहीं होता। वरुणी जी को कहीं से "प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना" के बारे में पता चला। यह योजना उन जैसे लाखों परिवारों के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर आई है, जो बिजली के बढ़ते खर्च से परेशान हैं। बिना देर किए, उन्होंने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर

पैनल लगवाने का फैसला किया। उनकी यहाँ कुल 2662 यूनिट बिजली की खपत हुई, उनके सोलर पैनल से 1283 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। जिससे अब उन्हें केवल शेष 1379 यूनिट बिजली का ही भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा यह मेरे लिए सिर्फ पैसेो की बचत नहीं, बल्कि एक नई आज़ादी है। 2.5 लाख रुपये की लागत से लगे इस

सोलर पैनल के लिए उन्हें सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी भी मिली है, जिससे यह निवेश उनके लिए और भी आसान हो गया। वरुणी साहू जैसी गृहणियों की कहानियां हमें बताती हैं कि कैसे एक छोटी सी जानकारी और सही समय पर लिया गया फैसला बड़े बदलाव ला सकता है। "प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना" सिर्फ बिजली का बिल कम करने की योजना नहीं है, यह परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण को बचाने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। वरुणी जी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि इस योजना ने उनके जीवन में सचमुच रोशनी भर दी है। उनकी यह कहानी सभी गृहणियों के लिए एक प्रेरणा है।

**वृद्ध आश्रम में जरूरतमंदों के बीच समाज सेविका नीलू संजय सिंह के द्वारा हर मौसम में फल व अन्य सामग्री का वितरण,12 माह आश्रम के बुजुर्गों का रखती है ध्यान**

**दुर्ग ( समय दर्शन )**। समाज सेविका श्रीमती नीलू संजय सिंह द्वारा वृद्धाश्रम पुर्लागांव स्थित बाल गृह बालक का दौरा किया। इस दौरान वृद्धों के बीच फल व खाने-पाने की सामग्री वितरित किया।समाज सेविका श्रीमती सिंह ने बताया कि पूरे साल हर मौसम में बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखने और उनकी स्वास्थ्य की जानकारी लेने वृद्धाश्रम का दौरा करते हैं।उन्होंने ये वर बताया कि हमेशा की तरह वृद्धाश्रम जा कर उनकी बरसात में

जरूरतमंद समाग्री एवं खानें की समाग्री देते हैं।आश्रम के सभी बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याों से अवगत होते हैं। उनसे उनकी जरूरत की चीजों को पूछकर क्या बुजुर्गों का ध्यान रखने और उनसे मिलकर उनकी स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहते हैं।समाज सेविका ने बताया कि बच्चों के जन्मदिन से लेकर हर खुशियों वृद्धा आश्रम के बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से शुरू होती है। उन्होंने ये भी बताया कि जिला अस्पताल सहित अन्य

स्थानों में जाकर असहाय लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया जाएगा।इसका मूल उद्देश्य जरूरतमंदों के बीच राहत पहुंचाना है। समाज सेवी श्रीमती नीलू संजय सिंह ने बताया कि बुजुर्गों का सेवा पुनीत का काम है, जिसमें हम सभी को एक साथ हो कर यह करना चाहिए। अपने घर परिवार के बच्चों को भी इसमें शामिल करने की जरूरत है। समाज सेविका श्रीमती सिंह ने बताया समाजिक कार्य बढ़चढ़ कर करते हैं।

**ख़बर का असर : दर्रापारा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण मामले में प्रशासन हरकत में आया, अतिक्रमणकारियों के खिलाफ़ प्रकरण दर्ज**

**गरियाबंद ( समय दर्शन )**। केशोदार दर्रापारा में शासकीय भूमि में अतिक्रमण, प्रशासन मौन, दलाल बेखौफ— इस शीर्षक के साथ प्रकाशित समाचार ने प्रशासनिक व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। वर्षों से चल रहे इस अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ आखिरकार प्रशासन ने पहली बार कठोर कदम उठाया है। राजस्व विभाग और वन विभाग की संयुक्त टीम ने दर्रापारा पहुंचकर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध अतिक्रमण का प्रकरण दर्ज किया है। क्या इन मामलों में केवल कागजी कार्यवाही कर इतिश्री कर ली जाएगी या फिर अतिक्रमण को तोड़ने की कठोर कार्रवाई भी होगी? स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों की नज़रें अब प्रशासन की अगली चाल पर टिकी हुई हैं। वहीं, यह भी देखा जाना बाकी है कि जिन लोगों ने पैसों के लेन-देन के ज़रिए सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा करवाया, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी या नहीं। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इस बार केवल कागज़ी खानापूती कर अपने कर्तव्यों की



इतिश्री समझ लेगा, या फिर वास्तव में दोषियों के खिलाफ बुलडोज़र चलाकर एक सशक्त संदेश देगा? और क्या उन दलालों को भी कटघरे में खड़ा किया जाएगा जो वर्षों से सरकारी जमीन बेचने का धंधा चला रहे हैं? यदि प्रशासन इस बार चूका, तो यह मामला न केवल एक प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बनेगा, बल्कि भविष्य में अन्य अतिक्रमणकारियों के लिए भी एक खुला आमंत्रण होगा।  
**क्या है पूरा मामला?** - जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत डोंगरीगांव के आश्रित ग्राम केशोदार के दर्रापारा क्षेत्र में वन विभाग की तारबंदी से सटे शासकीय भूमि पर लंबे समय से अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा था। यह निर्माण कार्य प्रशासनिक अनेदखी और राजस्व विभाग की निष्क्रियता का जीता-जागता प्रमाण बन चुका था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों ने आपसी लेन-देन के तहत शासकीय भूमि पर अवैध कब्ज़ा कर मकान निर्माण की शुरुआत कर दी थी। इस पूरी

प्रक्रिया में दलालों की भूमिका बेहद सक्रिय रही। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व एक वायरल वीडियो में शासकीय भूमि की खुल्लमखुल्ला खरीदी-बिक्री सामने आई थी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। नोट लहराये गए खुले आम गद्दीयां दिखाई गईं।  
**स्थानीय लोगों की चेतावनी, सख्त कार्रवाई की मांग**- स्थानीय नागरिकों ने प्रशासनिक निष्क्रियता पर नाराज़गी जताई है और मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उनका कहना है कि यदि अब भी इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो यह एक बड़े भू-माफिया घोटाले का रूप ले सकता है। नगीता दीवान, सरपंच डोंगरीगांव से पूछे जाने पर बताया कि कंठा कब्ज़ा किया गया है पता नहीं था। थोड़ा देकर बिजली के अनापत्ती पर हस्ताक्षर करा लिया गया अवैध है तो टूटना चाहिए ग्राम पंचायत के पास भी विविध कार्यों के लिए भूमि कि कमी है।



खबर-खास

क्योरफूड्स इंडिया लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

नईदिल्ली। इंटरनेट-आधारित मल्टी-ब्रांड फूड सर्विसेज कंपनी क्योरफूड्स इंडिया लिमिटेड ने मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी ) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी ) दाखिल कर दिया है। यह कंपनी ग्राहकों की विभिन्न पसंद और खानपान की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के व्यंजन पेश करती है। कंपनी 31 मार्च, 2025 तक, वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशनल रेवेन्यू के मामले में क्योरफूड्स भारत की दूसरी सबसे बड़ी डिजिटल-फ़ूड सर्विसेज कंपनी है (फूड डिलीवरी मार्केटप्लेस को छोड़कर)। यह इश्यू 8,00,00,00 मिलियन ( 800 करोड़ रुपये) के नए शेयर जारी करने और 48,537,599 इक्रिटी शेयरों तक के ऑफ़र फॉर सेल (OFS) का एक कॉम्बिनेशन है। ओएफएस में विभिन्न निवेशक अपने शेयर बेचेंगे, जिनमें आयरन पिलर पीसीसी, क्रिमसन व्हिटर लिमिटेड, एक्ससेल इंडिया बी (मॉरिशस) लिमिटेड, चिराटे वेंचर्स इंडिया फंड IV, ग्लोबल ई-कॉमर्स कंसोलिडेशन फंड, एल.पो., चिराटे वेंचर्स मास्टर फंड IV, अल्टेरिया कैपिटल फंड II – स्क्रीम डू, क्योरफिट हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, श्रीपाद श्रीकृष्ण नाडकर्णी, होराइजन टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड और जेम्स पीकॉक इंडिया ग्रोथ फंड शामिल हैं।

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचने के बाद, Save Earth Mission ने अहमदाबाद, भारत में ‘ग्लोबल विज़न अनवीलिंग’ कार्यक्रम की भव्य घोषणा की



अहमदाबाद। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सिर्फ 1 घंटे में 5 लाख से अधिक पेड़ लगाकर, Save Earth Mission ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक ऐतिहासिक कदम उठाया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस विश्व रिकॉर्ड-सृजन कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और Forbes, Fox, Business Insider, व अन्य प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया चैनलों पर प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। अब, Save Earth Mission वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रहा है। संगठन ने अपने सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम – Save Earth Mission Global Vision Unveiling – की आधिकारिक घोषणा की है। यह आयोजन Save Earth Mission की वैश्विक रणनीति की शुरुआत को चिन्हित करेगा, जिसका उद्देश्य है वर्ष 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाना और पृथ्वी को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाना। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 3 जुलाई 2025 को शाम 6:00 बजे IST पर, प्रतिष्ठित GIFT City Club, अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। यह वैश्विक घोषणा Save Earth Mission की यात्रा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है — एक ऐसा मंच जहां संगठन अपने विस्तारित रोडमैप का अनावरण करेगा और अंतरराष्ट्रीय चैप्टर्स को एकजुट कर जलवायु संरक्षण के एक साझा लक्ष्य की ओर प्रेरित करेगा। कार्यक्रम में Save Earth Mission के वैश्विक नेटवर्क से नेता, प्रतिनिधि और स्वयंसेवक शामिल होंगे, जो देशवार वृक्षारोपण अभियानों, नई साझेदारियों, और तेज़ गति से पुनर्वनीकरण के प्रयासों की नींव रखेंगे। कार्यक्रम के स्थान का चयन एक वैश्विक सार्वजनिक मतदान प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिसमें अबू धाबी, दुबई, गोवा, बैंकॉक और अहमदाबाद जैसे शहरों को विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था। सबसे अधिक मतों के साथ अहमदाबाद को चुना गया, जिसने भारत को इस वैश्विक जलवायु क्रांति के अगले चरण का केंद्र बना दिया।

संदीप चौधरी, अध्यक्ष भारत चैप्टर, Save Earth Mission ने कहा: यह केवल भारत नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए गर्व का क्षण है। लोगों ने अपनी आवाज़ उठाई, और अहमदाबाद ने वैश्विक जलवायु एकता का प्रतीक बनकर एक नई मिसाल कायम की है। ग्लोबल विज़न अनवीलिंग कार्यक्रम में मैं Save Earth Mission का वैश्विक रोडमैप प्रस्तुत करूंगा — जिसमें अंतरराष्ट्रीय वृक्षारोपण अभियानों, सीमापार सहयोग और नागरिकों, कॉर्पोरेट्स व सरकारों को एक साथ जोड़कर 2040 तक 30 अरब पेड़ लगाने के मिशन को पूरा करने की योजना होगी।

गरियाबंद/कवर्धा

शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम' हाईस्कूल फुलकर्मा में संपन्न

वहीं के छात्र रहे सोहन ध्रुव अध्यक्ष जनपद पंचायत आज मुख्य अतिथि के रूप मे



शिक्षा के लिये पढ़ाई जरूरी है,बच्चों की मानसिक विकास शिक्षा से ही संभव है।शिक्षित होकर वे आगे की अपने भविष्य गढ़ने के लिये तैयार होते हैं।विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित भिरतुराम कंवर एवं शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष हरिराम देवांगन ने सभी नव प्रवेशी छात्र सरपंच चुड़ामणी दीवान ने कहा कि

सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये शिक्षा के लिये निरंतर अध्ययन करते रहने हेतु प्रेरित किया। सचिव कीर्तन साहू ने कहा कि शाला परिवार की ओर से आयोजित मोटिवेशन कार्यक्रम के कारण इस वर्ष बेहतर परिणाम रहा है,शाला परिवार के सभी स्टाफ को बधाई और उन सभी छात्र छात्राओं

हुये शाला के प्राचार्य ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है, सोहन ध्रुव जो हमारे शिष्य थे आज शिक्षित होकर बड़े राजनितिक पद पर आसिन्न हो गये ऐसा ही अवसर हम सबके जीवन मे आना है।अपने उद्देश्य को लेकर मेहनत करें निश्चित ही सफलता मिलेगी।सोहन ध्रुव ने कहा कि सफलता पाने के लिये लक्ष्य जरूरी है,और लक्ष्य हासिल करने के लिये कड़ी मेहनत जरूरी है। शिक्षा केवल नौकरी पाने के लिये नही जीवन जीने की कला सिखाती है।शिक्षा से ही हमारा भविष्य तय होता है।

नवमीं से बारहवीं तक बेहतर परिणाम के साथ अच्छे अंक लाकर शाला परिवार और ग्राम पंचायत फुलकर्मा को गौरवान्वित करने वाले छात्र छात्राओं को बधाई देते हुये

अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर विधिक साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



कवर्धा ( समय दर्शन )। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे के निर्देशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तरेगांव जंगल में 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध एक विशेष विधिक साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय

समुदाय, विशेषकर आदिवासी जनसंख्या को नशीली दवाओं के दुष्परिणामों से अवगत कराना एवं उन्हें कानूनी अधिकारों तथा उपचार विकल्पों की जानकारी देना बताया गया है। कार्यक्रम का संचालन नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध एक विशेष विधिक साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय

महाप्रसाद के वितरण में शामिल हुआ उड़िया समाज, 15 वर्षों से किया जा रहा है आयोजन



भिलाईनगर ( समय दर्शन )। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रं. 01 नेहरु नगर वार्ड क्रं. 02 जुनवानी दीनदयाल कालोनी, स्मृति नगर एवं त्रिवेणी नगर में उद्यान विकास का कार्य चल रहा है, जिसका निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय वार्ड पाणंद मुकुेश अग्रवाल के साथ पहुंचे। निर्माणधीन उद्यान का जायजा लेते हुए सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा को निर्देशित किये, कि बरसात का मौसम आ गया है, उद्यान का निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराने के साथ कार्य की गुणवत्ता बनाये रखते हुए वृक्षारोपण का कार्य कराने

आदेशित किया गया है। जुनवानी रोड स्थित जाम नाले के उपर से स्लैब हटवाकर सफाई कराने जोन आयुक्त अजय राजपूत एवं सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला को निर्देशित किये, जिससे बरसात के पानी का निकासी आसानी से हो सके और कहीं भी जल भराव की स्थिति न बनी रहे। साथ ही दीनदयाल तालाब का अवलोकन करते हुए, फूड जोन का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कराने सहायक अभियंता को निर्देशित किये। वार्ड क्रं. 04 शिवाजी चौक से एस.एल.आर.एम सेंटर तक सिवरेज लाईन बिछाने का कार्य प्रगति पर है।

राजस्व अधिकारी खनिज विभाग से समन्वय कर अवैध खनन पर करे कार्यवाही – कलेक्टर उड़के



खनिज एवं वन विभाग से समन्वय कर अपने क्षेत्रों में खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन पर निगरानी रखकर लगातार कड़ी कार्यवाही करते रहने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों को सक्तियता से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन में संलग्न चैन माउन्टेन आदि वाहनों का राजसात करने की भी प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण करें। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों का शत्रु प्रतिशत पंजीयन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी कृषि विभाग से समन्वय कर मार्गदर्शन एवं सलाह भी दिये।कलेक्टर ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को

होने से उन्हें आगामी सत्र में समर्थन मूल्य में धान बेचने में सहूलियत होगी।कलेक्टर श्री उड़के ने कहा कि एसडीएम एवं तहसीलदार-नायब तहसीलदार न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को अभियान चलाकर तेजी से निराकृत किया जाए। कलेक्टर श्री उड़के ने बैठक में कहा कि सीमांकन के प्रकरणों के निराकरण के लिए आर.आई.एवं पटवारियों को टीम बनाकर गंभीरतापूर्वक कार्य करें।उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों एवं मैदानी अमलों को गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए प्रकरणों को अनावश्यक अधिक समय तक लंबित न रखा जाए। समय-सीमा के भीतर ही सभी प्रकलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।संबंधितों के खिलाफ शिकायत प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही भी की जायेगी।

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती शिखा परिहार पति श्री बालमुकुन्द सिंह राजपुत, आयु 33 वर्ष निवासी- वार्ड नं. 01, नयापारा, पंचशील नगर रोड, सब्जी मार्केट के पीछे, दुर्ग, तहसील एवं जिला- दुर्ग (छ.ग.), मेरे 11 वर्षीय पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम तमना राजपूत (TAMANNA RAJPUT) दर्ज है जो कि त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जबकि मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में उसका नाम महक परिहार (MAHAK PARIHAR) दर्ज है जो कि, सत्य व सही है, जिसके चलते मेरी पुत्री के समस्त शैक्षणिक / शासकीय/अर्द्धशासकीय / अशासकीय / बैंकिंग/आधार कार्ड एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में जहाँ भी उसका नाम तमना राजपूत, दर्ज है, के स्थान पर संशोधन कर- महक परिहार (MAHAK PARIHAR) दर्ज कराना चाहती हूँ एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूँ।जिसके समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

मैं किशन श्रीवास पिता नरोत्तम श्रीवास जाति नाई निवासी सिंघनगढ़ तह.स.लोहारा जिला कबीरधाम छ.ग., मेरी पुत्री काव्या श्रीवास के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम काव्या श्रीवास दर्ज है तथा उसके आधार कार्ड में उसका नाम त्रिशा श्रीवास दर्ज है जो त्रुटिपूर्ण है। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजो मे उसका नाम काव्या श्रीवास दर्ज है। इसलिए आधार कार्ड मे त्रुटि सुधार कर त्रिशा श्रीवास के स्थान पर काव्या श्रीवास दर्ज किया जाना न्यायहित मे आवश्यक है। जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील-सहसपुर लोहारा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मामले की श्रेणी: राजस्व संदर्भ:- जिला- कबीरधाम तहसील- सहसपुर लोहारा प.ह.न.-00032 गांगीबहरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक:- सी टी 202425570468000008 ईशतहार तहसील सहसपुर लोहारा के प.ह.न. 00032 के अंतर्गत ग्राम गांगीबहरा के वर्तमान भूमिस्वामी सागर, विवेक नाबा पिता/पति-पिता खोमलाल पालक पिता खोमलाल पता-साठखुंदरी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 40/1(8.0070), 40/2(0.8370) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सागर, विवेक पिता/पति-खोमलाल पता-सा देहा के नाम पर पंजीयन/फैती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 07/07/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इशतहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिकृत / आयमुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह इशतहार मेरे हस्ताक्षर तथा पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार तहसील-सहसपुर लोहारा जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202505104500061

विषय: अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन:- 2024-2025 सांतरा ( प ह न. 00020 ), पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार मोहन लाल साहू, प्रियांशु, राजेन्द्र, निर्मला, अमन ना बा, लोकेश्वरी साहू, शकुन साहू, गौरी बाई, नरबदिया साहू, मुन्ना लाल साहू, अनावेदक पक्षकार - मोहन लाल साहू, प्रियांशु, राजेन्द्र, निर्मला, अमन ना बा, लोकेश्वरी साहू, शकुन साहू, गौरी बाई, नरबदिया साहू, मुन्ना लाल साहू, कुंदन साहू, ईशतहार एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम सांतरा प.ह.नं. 20 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनायें प्रकाशित किया जाती है कि आवेदक कुंदन साहू पिता शत्रुहन साहू निवासी ग्राम सांतरा द्वारा ग्राम सांतरा प.ह.नं. 20 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित मोहनलाल साहू पिता जातराम वगै, के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 533, 1167, 1385 रकबा क्रमशः 0.45, 0.04, 0.19 है. कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 0.68 है. में दर्ज अपने दादा मोहनलाल साहू पिता जातराम का दिनांक 18.04.2025 को मृत्यु होने से नाम विलोपित कर स्व. मोहनलाल के वारिसान शत्रुहन, प्रकाशन, सरिता पिता मोहनलाल, नीरा बाई पति मोहनलाल में से स्व. शत्रुहन का दिनांक 07.03.2023 को पैंत होने से उनके वारिसान कुन्दन, दीवाकर, प्रेमलता पिता शत्रुहन, अम्बालिका पति शत्रुहन के नाम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 12.06.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पशुद्रा से आज दिनांक 20/05/2025 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार पाटन

मुहर



## संक्षिप्त-खबर

## सरस्वती शिशु मंदिर बसना में प्रथम आचार्य विकास वर्ग संपन्न



**बसना ( समय दर्शन )**। स.शि.मं. बसना में दिनांक 29.06.2025 को प्रथम आवर्ती संपन्न हुआ। सर्वप्रथम मां सरस्वती, ओम एवं मां भारती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया,तत्पश्चात प्राचार्य धनुर्जय साहू समिति अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल एवं विद्यालय समन्वयक रमेश कुमार कर का तिलक से सम्मानित किया गया। सरस्वती वंदना के पश्चात प्रथम सत्र में वरिष्ठ आचार्य अभिमन्यु दास ने प्रार्थना अभ्यास में सरस्वती वंदना की बारीकियों एवं शुद्ध उच्चारण के साथ प्रार्थना का अभ्यास करवाया। द्वितीय कालखंड में आचार्य संकल्पना वर्ग में रमेश कुमार कर ने अपने अभिव्यक्ति में सरस्वती शिशु मंदिर के उद्देश्य एवं भारतीय संस्कृति की संरक्षण के लिए एवं भावी पीढ़ी को मजबूत बनाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देते हुए आचार्य की परिभाषा बताते हुए कहा कि – जो अपने आचरण से शिक्षा दे वही आचार्य है। आचार्य के करनी और कथनी बराबर होते हैं। एक श्रेष्ठ आचार्य अपने ज्ञान, चरित्र एवं योजकता से शिक्षा प्रदान करते हैं, क्योंकि श्रेष्ठ चरित्र ही व्यक्ति को महान बनाती है कहा भी गया है कि – धन गया तो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य गया तो कुछ गया और चरित्र गया तो सब कुछ चला गया। सभी में एक समान गुण नहीं होता है। बच्चों की योग्यता को परख कर ही उनके साथ व्यवहार करना चाहिए और दिशानिर्देश देना चाहिए। उनके समझ के आधार पर ही अपने विषय को प्रस्तुत करना चाहिए। अभिभावक संपर्क के बारे में बताया कि यह विद्यालय के रीढ़ की हड्डी है। अखिल भारतीय विद्या भारती का उद्देश्य भारतीय संस्कृति का संरक्षण और भावी पीढ़ी का सर्वांगीण विकास करना है इस हेतु संपर्क के दौरान आचार्य शिशु के घर-घर पहुंचकर इस योजना को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही आचार्य और अभिभावक के बीच आत्मीय संबंध स्थापित होता है। संस्कृत शिक्षण में राजेंद्र पंडा ने कहा कि संस्कृत देव वाणी है, इस भाषा को हमारी भावी पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने संस्कृत भाषा को बड़े ही सरल व सहज ढंग से अध्यापन करने की विधि से अवगत कराया। वरिष्ठ आचार्य दिलीप बेहेरा ने वैदिक गणित में अंक, बीजांक, परम मित्र अंक, एकाधिकेन पूर्वेण, न्युनेन विधि एवं शून्यांत संख्या के प्रयोग से जोड़ना सिखाया। अंतिम कालखंड में गोवर्धन प्रधान एवं कुमारी प्रतिष्ठा प्रधान के द्वारा शारीरिक अभ्यास करवाया गया और संघ प्रार्थना के साथ 56 आचार्य/दीदियों के उपस्थिति में प्रथम आचार्य विकास वर्ग संपन्न हुआ।

## फुंडा समिति में भी ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र वर्मा और जनपद सदस्य आनंद बघेल ने नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन



**पाटन ( समय दर्शन )**। सेवा सहकारी समिति फुंडा डीएपी खाद एवं धान बीज की गुणवत्ता एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने महेंद्र वर्मा एवं आनंद बघेल के नेतृत्व में समिति प्रबंधक को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मुख्य रूप से धनंजय वर्मा गोपाल वर्मा दीना वर्मा तुका राम वर्मा गोपाल दुबे हुलेश्वर पटेल डुमन एवं कुमारी प्रतिष्ठा प्रधान एवं मनोज वर्मा देवेंद्र वर्मा सुरेंद्र वर्मा सहित अनेक किसानों की उपस्थिति रही।

## जाम गांव आर समिति में भी कांग्रेसियों ने सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन



**पाटन**। खाद बीज अनुपलब्धता तथा कम पैदावार वाले खाद बांटे जाने से किसानों को होने वाली समस्या को गंभीरता से लेते हुए डीएपी खाद व बीज की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने समस्त किसान सेवा सहकारी समिति जमगांव (आर) प्रबंधक प्रभारी श्री लक्ष्मी कुलदीप को ज्ञापन सौंपा गया, जिला महामंत्री श्रीमान रूपेंद्र शुक्ला जी, ग्रामीण समिती अध्यक्ष श्रीमान के. एल.साहू जी,जयप्रकाश चंद्राकर जी ,जीवधन ठाकुर जी , सेक्टर प्रभारी चतुर साहू जी जामगांव (आर), सेक्टर प्रभारी पवन डहरे बोरवाव , मोरधध्वज चंद्राकर, ऋषभ चंद्राकर,रघुबर सेन जी, पूर्व सरपंच राजकुमार ठाकुर जामगांव (आर), बलदाऊ राव, बहुदा यादव,सुनील चंद्राकर, किवेश चंद्राकर, चंद्रकुमार यादव, पवन यादव, ईश्वर यादव, राऊ निर्मलकर, तामेश्वर ठाकुर, भूषण ठाकुर, सुबु यादव और अनेक किसान और कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

# एक जुलाई को चिकित्सक दिवस पर विशेष

### बलराम यादव

एक जुलाई को विश्व चिकित्सक दिवस पर डा भुनेश्वर कठौतिया वर्तमान में खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन का चिकित्सा जगत बड़ा उल्लेखनीय योगदान रहा है चिकित्सा अधिकारी के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरैना में पदस्थ होकर एक लंबा सफ़र दुर्ग जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में देकर अपनी पहचान बनाई है कोविड की महामारी में दुर्ग जिले के विकास खंड पाटन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट में पदस्थ रहते हुए भर्ती मरीजों का सफलतापूर्वक परीक्षण

इलाज और आक्सीजन की व्यवस्था करना बड़ी जिम्मेदारी को निभाना एक चुनौती भरा काम था इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन राजिकालीन ड्युटी, पुरुष नसबंदी शिविर और महिला नसबंदी शिविर में भाग लेना और एम टी पी जैसे कार्य करने के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र इनके कार्यकाल में प्राप्त हुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट में आधुनिक ओ टी प्रारंभ कराने में दृढ़ संकल्प के साथ अधिकारियों के विश्वास पर खरे उतरे आज झीट में सभी प्रकार की सर्जरी हो रही है वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में पदस्थ



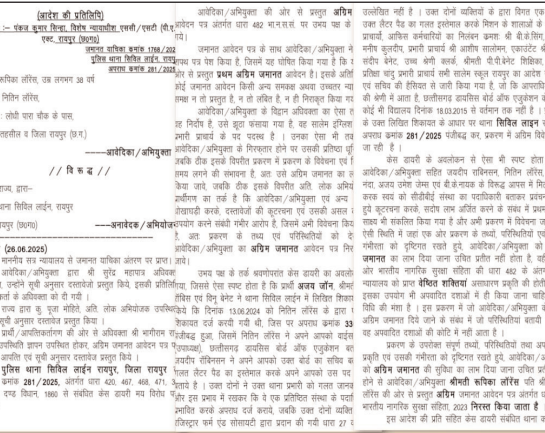
हूए और शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई की बड़ी जिम्मेदारी उठाई दो क्षेत्रों में उल्टी-दस्त का आऊट ब्रेक हुआ चरोदा बस्ती से लगा हार्ड और पुरैना में दोनों जगह एक सुनिश्चित कार्य योजना तैयार

# सालेम स्कूल की प्राचार्या की अग्रिम जमानत याचिका खारिज़

## न्यायाधीश द्वारा दिए गए निर्णय से खुलता है राज्य का सबसे बड़ा शैक्षणिक घोटाला

**बिलासपुर ( समय दर्शन )**। सिविल लाईन थाना रायपुर की अपराध क्रमांक 281/25 के प्रकरण में श्रीमती रूपिका लॉरेंस के अधिवक्ता सुरेंद्र महापात्रा द्वारा सत्र न्यायालय रायपुर में बीएनएस की धारा 482 के तहत प्रस्तुत अग्रिम जमानत आवेदन पर विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी के कोर्ट में 26 तारीख को बहस हुई। अपराध क्रमांक 281/25 के अंतर्गत धारा 420, 467, 468, 471, 34 भारतीय दंड विधान 1860 की केस डायरी विशेष पत्र के साथ प्रस्तुत की गई। आवेदिका/अभियुक्ता के विद्यमान अधिवक्ता का तर्क था कि अभियुक्ता को निर्दोष झूठ फसाया गया। वह सालेम इंग्लिश स्कूल में प्रभारी प्राचार्या के पद पर पदस्थ है। अभियुक्ता के गिरफ्तार होने पर उसकी प्रतिष्ठा धूमिल होगी।

अतिरिक्त लोक अभियोजक एवं प्रार्थीगण का तर्क यह था कि अभियुक्ता एवं अन्य छल, कपट, धोखा-धड़ी करके दस्तावेजों की कूटरचना एवं उसकी असल के रूप में उपयोग करने संबंधी गंभीर आरोप लगे है। अतः अग्रिम जमानत याचिका निरस्त किया जाए। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट लिखा है प्रार्थी अजय जॉन, नीलिमा राबिंस, बीनू बनेट ने थाने में लिखित



शिकायत दिनांक 13 जून 2024 को नितिन लॉरेंस के द्वारा एक फर्मी शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिस पर अपराध क्रमांक 336/2024 पंजीबद्ध हुआ। जिसमें नितिन लॉरेंस ने अपने आप को वाइस चेयरमैन छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन बताया और जयदीप राबिंसन ने अपने आप को उक्त बोर्ड का सचिव बताया। गलत लेटर पैड का इस्तेमाल कर के अपने आप को उस पद पर होना बताया। थाना प्रभारी को गलत जानकारी देकर प्रभावित कर के अपराध दर्ज करये जबकि दोनों व्याक्ति का नाम रजिस्टर फॉर्म सोसायटी द्वारा प्रदान की गई धारा 27 के प्रति में उल्लिखित नहीं है। विद्यमान न्यायाधीश ने आगे लिखा कि दोनों व्यक्तियों द्वारा विगत 1 वर्ष से लेटर पैड का गलत इस्तेमाल किया जा है। अलाओं के शिक्षकों, प्राचार्यों, ऑफिस कर्मचारियों का निलंबन किया गया। आगे निलंबन किये गए शिक्षकों का

नाम है साथ ही यह भी लिखा गया है कि छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन के अधीन को भी विद्यालय 18 मार्च 2015 से वर्तमान तक नहीं है आदेश में लिखा गया है कि केस डायरी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आवेदीका/अभियुक्ता सहित जयदीप राबिंसन, नितिन लॉरेंस, एसके नंदा, अजय उमेश जेम्स एवं बीके नायक के विरुद्ध आपस में मिली भगत कर के स्वयं को सीडीबीई संस्था के पदाधिकारी बढ़कर प्रबंधना करते हुए कूट रचना करके सदीप लाभ अर्जित करने के संबंध में प्रथम दृष्टिया साक्ष्य भी संकलित किया गया है।

न्यायाधीश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 482 के अंतर्गत न्यायालय को प्राप्त शक्तियों का वर्णन किया है और कहा कि अभियुक्ता के द्वारा अग्रिम जमानत दिए जाने के संबंध में जो परिस्थितियां बनाई गई है वह अपवादित दिशाओं की कोटी में नहीं आता, अतः

# अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, ग्राम पंचायत झीट में अतिक्रमण करने वालो पर कसा जा रहा शिकंजा, पूर्व में हुए अतिक्रमण को भी हटाने की मांग

**बलराम यादव/ पाटन**। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत झीट में शासकीय जमीन पर कई लोपों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया था। अवैध कब्जा करने वालों पर कारवाई करने के लिए सरपंच रूपेंद्र राजू साहू ने सुशासन तिहार में आवेदन भी दिया था। आज अतिक्रमण करने वालों के ऊपर कारवाई करते हुए शासकीय जमीन पर बाउंड्री वाल बनाकर कब्जा को बुलडोजर से तोड़ा गया। इस मौके पर सरपंच राजू साहू ने ग्रामीणों से निवेदन किया कि गांव के शासकीय जमीन पर किसी के द्वारा अतिक्रमण ना करें। अतिक्रमण करने वालों के ऊपर



आगे भी कार्रवाई जारी रहेगा।

**पुराने अतिक्रमण को भी हटाने की मांग-** झीट के ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व के सरपंच के कार्यकाल में काफी अतिक्रमण हुए है। उन पर भी बुलडोजर चलाया जाना चाहिए। बता दे कि बाजार चौक, अस्पताल के आसपास काफी अतिक्रमण हुए है। इसके अलावा सड़क किनारे भी अतिक्रमण हुए है। आखिर इन अतिक्रमण करने वालो पर मेहरबानी क्यों दिखाई जा रही है। जानकारी के मुताबिक अब ग्रामीण गांव में जितने भी अतिक्रमण हुए हे उसे हटवाने की मांग कर रही है।

# प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के निर्वाचन में कोशलै पैनल को एक तरफा विजय

**रायपुर ( समय दर्शन )**। सतनामी समाज का सबसे बड़ा संगठन प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश स्तरीय निर्वाचन 29 जून 2025 को सम्पन्न हुआ। जिसमें मे संस्था के संस्थापक एल एल कोशलै पैनल को एक तरफ विजय हासिल हुआ।

नव निर्वाचित प्रवक्ता राजमहंत पी एल कोसरिया ने वित्तिा में बताया कि, अध्यक्ष पद हेतु तीन प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें एल एल कोशलै को कुल 1440 मतदाता में विधिमन्य मत1118 में 831 मत प्राप्त हुए। वहीं विनोद भारती को 284 मत एवं दयानंद कोशलै को मात्र 8 मत



प्राप्त हुए ,इस तरह एल एल कोशलै547 मत से विजयी घोषित किये गए। प्रदेश प्रवक्ता हेतु दो प्रत्याशी मैदान में थे जिसमें राजमहन्त पी एल कोसरिया को796 मत प्राप्त हुए एवं राकेश नारायण बंजारे को



300मत प्राप्त हुए 22 मत रिजेक्ट हुए इस तरह राजमहन्त पी एल कोसरिया 696 मत से विजयी घोषित किए गए। प्रदेश महासचिव पद पर दो प्रत्याशी मैदान में थे। जिसमे मोहन बंजारे को 853 मत ,रघुनाथ

भारद्वाज को247 मत प्राप्त हुए और मोहन बंजारे ने रघुनाथ भारद्वाज को परास्त कर विजयी घोषित हुये। उपाध्यक्ष पद हेतु तीन पदों हेतु चार प्रत्याशी मैदान में थे जिसमें सर्वाधिक मत डॉ दिनेश लाल जांगड़े में 931 मत के साथ विजयी

भारद्वाज को247 मत प्राप्त हुए और मोहन बंजारे ने रघुनाथ भारद्वाज को परास्त कर विजयी घोषित हुये। उपाध्यक्ष पद हेतु तीन पदों हेतु चार प्रत्याशी मैदान में थे जिसमें सर्वाधिक मत डॉ दिनेश लाल जांगड़े में 931 मत के साथ विजयी

हुए। दूसरे प्रत्याशी रेशम घृतलहरे ने 835 मत प्राप्त कर विजयी घोषित किए गए एवं तीसरे स्थान पर सरजुप्रसाद घृतलहरे ने 635 मत प्राप्त कर विजयी घोषित किए गए। संगठन के शेष 15 कार्यकारणी जिसमे 12 पुरुष 3 महिलाएं, मीडिया प्रभारी एवं सहसचिव कुल 19 पद निर्विरोध निर्वाचित किए गए हैं।

निर्वाचित पदाधिकारियो को समाज प्रमुख राजमहन्त डॉ बसन्त अंचल , राजमहन्त जे पी कोशलै , अधिवक्ता दिनेश लहरे महंत बाड़ा, बिलोक खरे , एच एल रात्रे, टीएस चतुर्वेदी ,नरेंद्र बंजारे , शैलेन्द्र बंजारे, राजमहन्त सी आर

टण्डन,राजमहन्त पी के घृतलहरे, अंजली बरमाल महिला प्रकोष्ठ प्रमुख, अश्विनी बबलू त्रिवेन्द, विजय बंजारे,रैखराज बघेल,अभय घृतलहरे, लखन कुर्रं, तेजराम चौलिक ,डिलेश्वरी मिलाप निराला जनपद अध्यक्ष बसना, उषापुरषोत्तम घृतलहरे जनपद अध्यक्ष पिथौरा चित्रकुमार भारती, तन्विका कोसरिया, चिंता साय , जिलासभापति कुमारी धनेश्वर भास्कर ,गौरी टंडन ,चमेली रात्रे रायपुर , पावती डीडी भिलाई, रमेश बंजारे रायपुर,बी पी बंजारे, गिरिवर वंजारे, अधिवक्ता जान लिंकन कुलरी आदि सैकड़ों लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित किया गया।

## सुशील सिन्हा और मीना सहारे मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित

### बसना ( समय दर्शन )।

बंसुला संकुल से पूर्व माध्यमिक शाला कुड़केल के प्रधान पाठक सुशील कुमार सिन्हा तथा प्राथमिक शाला जमडी के सहायक शिक्षिका मीना सहारे को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण 2024 का शिक्षा दूत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि रूपकुमारी चौधरी सांसद महामसुंद, विनय कुमार लंगहे कोलेक्टर, एस आलोक सीईओ जिला पंचायत महामसुंद के करकमलों से श्रीफल, शाल, गुलदस्ता, उक्कृष्ट शिक्षक सम्मान पत्र एवं आकर्षक प्रतीक चिन्ह के साथ 5000 रु का चेक प्रदान किया गया। उन्हें यह अलंकरण सम्मान शिक्षण कार्य कुशलता, उक्कृष्ट सेवा, नवाचारी गतिविधियों और शासन की विभिन्न योजनाओं को सहरानीय ढंग से संचालित करने पर मिला है। इस अवसर पर बंसुला के सरपंच नवीनकुमार साहू, जनपद सदस्य जन्मजय साव, विकास



खंड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया, बीआरसी पूर्णानंद मिश्रा, संकुल प्राचार्य बलदेव मिश्रा, संकुल समन्वयक गोवर्धन डडसेना, दिनेश डडसेना, कोशल बेहेरा, पदमिनी साहू, संतोषी साहू, गीतांजलि नाग, प्रकाशिनी नंद, शशि कुमार साव सहित शिक्षण के सभी शिक्षक स्टॉफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की हैं। उक्त जानकारी संकुल मीडिया प्रभारी प्रवीर कुमार बेहेरा ने दी है।

# संकुल केंद्र कुदारीबाहरा में युक्तियत्ककरण से आये शिक्षकों का सम्मान



**बसना ( समय दर्शन )**। संकुल केंद्र कुदारीबाहरा में युक्तियुक्तकरण के तहत आये चार शिक्षकों का शनिवार को संकुल स्तरीय सम्मान समारोह रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा अनुसार ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ संकुल प्राचार्य दुर्गोधन साव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। ततपश्चात संकुल में नव आगन्तुक शिक्षक अरिान सिंह बरिहा,प्रकाश सिदार, मुकेश प्रधान, लक्ष्मीकांत साहू चारों शिक्षकों का अंगवस्त्र और श्रीफल से स्वागत सम्मान किया गया। युक्तियुक्तकरण के तहत व्याख्याता रामसिंह नाग अन्यत्र स्कूल चले जाने से उनका विदाई कर उनका भी सम्मान अंगवस्त्र और श्रीफल से किया गया। कार्यक्रम को संकुल समन्वयक अमित भोई एवं हलधर साव ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने संकुल के शिक्षक श्रीमती मीना तिकी, श्रीमती मनीषा ध्रुव, श्रीमती पद्मिनी ठाकुर , महेश बाघ, बृजलाल यादव , लोकनाथ साव, वीरसिंह नाग, क्षीरसागर साव,सोमप्रकाश साव, विजय चौहान, कन्हैया पांडे, हलधर साव, अश्वनी सिदार, मंजुलता सिदार, उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता गजानन भोई एवं आभार प्रदर्शन क्षीरसागर साव ने किया।